TEACHING OF S.S.T.

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

Name of the School [illegible] स्कूल (गोडाना)

Class : 6th

TIME-TABLE

DAY	I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII
MON	Engli.	Math.	Science	S.S.T	Hindi	Comp.	Dairy	Game
TUE	"	"	"	"	"	"	"	"
WED	"	"	"	"	"	Music	"	"
THU	"	"	"	"	"	"	"	"
FRI	"	"	"	"	"	Art.	"	"
SAT	"	"	"	"	"	"	"	"

Signature

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

Name of the School सत्यानन्द प्राथमिक स्कूल (गोड़ाना)

Class : VII th

TIME-TABLE

DAY	I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII
MON	Hindi	S.S.T	Math	English	Computer	Science	Dance	G.k.
TUE	"	"	"	"	"	"	"	"
WED	"	"	"	"	"	"	"	"
THU	"	"	"	"	Draw	"	"	"
FRI	"	"	"	"	"	"	"	"
SAT	"	"	"	"	"	"	"	"

Signatu

UNITED SECULAR SOCIET

Scanned by CamScanner

ATTENDANCE CHART

School: सत्यानन्द पब्लिक स्कूल (गोहाना)

Class: VIIth   Subject: SST

Name & Roll	17/1	18/1	19/1	20/1	21/1	22/1	23/1	24/1	25/1	26/1	27/1	28/1	29/1	30/1	31/1	
राजीव कुमार	P	P	A	P	P		P	P	A	P	P	P		P	P	P
उमाकान्त	P	P	P	P	P	Y	P	P	P	P	P	P	Y	P	P	A
सतेन्द्र कुमार	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P	P	
प्रिया शर्मा	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P	P	
सन्तोष कुमार	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P	A	P	P	
मनोज कुमार	P	P	A	P	P	A	P	P	P	P	P	P		P	P	
प्रवीन नागर	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P	P	
उषा गुप्ता	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	A		A	P	
किशनलाल	A	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P	P	
किरन कुमार	P	P	P	P	P	D	P	P	P	P	P	P	D	P	P	
राजू शर्मा	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P	A	
नवनीत सिंह	A	P	P	P	P		P	P	P	P	P	A		P	P	
अवनेश कुमार	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P	P	
कुलदीप शर्मा	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P	P	
योगेश वर्मा	P	P	P	P	P	N	P	P	P	P	P	P	N	P	P	
दीपू वर्मा	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P	P	
अमित मेहरिया	P	P	P	P	P		P	A	P	P	P	P		P	P	
वीरेन्द्र सहरावत	P	A	P	P	P		P	P	P	P	A	P		P	P	
रवि सहरावत	P	P	P	A	P		A	P	P	P	P	P		P	P	
श्वेता सिंह	P	P	P	P	P	U	P	P	P	P	P	P	U	P	P	
सूरज सिंह	A	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P	P	
सुधा सहरावत	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P	P	
सौरभ सिंह	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P	P	
कविता सिंह	P	P	P	P	P	S	P	P	P	P	P	P	S	P	P	

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

ATTENDANCE CHART

School: Satyanand Public school (Lohana)

Class: VII th Subject: S.S.T.

Name & Roll	1/2	2/2	3/2	4/2	5/2	6/2	7/2	8/2	9/2	10/2	11/2
संजीव कुमार	P	P	P			P	P	P	P	P	P
उमाकान्त	P	P	P			P	P	P	P	P	P
सीमा सिंह		P	P			P	P	P	P	P	P
पार्थ बोस	P	P	P		A	P	P	P	P	P	P
रागिनी सिंह	P	P	P			P	P	P	P	P	P
बलबीर कौर	P	P	P			P	P	P	P	P	P
यश कुमार	P	P	P		D	P		P	P	P	P
तिशेष सिंह	P	P	P	D		P	P	P	P	P	P
लोजशिनी कोहली		P	P	A		P	P	P	P	P	P
गुंजन कोहली	P	P	P	L		P		P	P	P	P
अंकुर सहरावत	P	P	P	I		P	P	P	P		P
अंकिता पाण्डे	P	P	P	M	N	P	P	P	P	P	P
गरिमा वत्स	P	P	P			P	P	P	P	P	P
सोनू कुमार	P	P	P			P		P	P	P	P
दीपक जैन	P	P	P			P	P	P	P	P	P
प्रीति पांडे	P	P	P	L			P	P	P	P	P
वैभव सिंह	P		P	U	U	P	P	P	P	P	P
प्रतीक सिंह		P	P			P	P	P	P	P	P
तेजेन्द्र सिंह	P	P	P			P	P	P	P	P	P
हर्ष माथुर	P	P	P			P	P	P	P	P	P
केसर रानी	P	P	P	D		P	P	P	P	P	P
रूबी सहरावत	P	P	P	[illegible]	9	P	P	P	P	P	P

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

INDEX

Sr. No.	Topic	Date	Pages	Signature of the Supervisor
1)	**Micro Teaching Lessons**			
1.	भारत एक परिचय	1-12-11		
2.	ज्वालामुखी	2-12-11		
3.	खनिज पदार्थ	3-12-11		
4.	सौरमण्डल	5-12-11		
5.	खगोलीय पिण्ड	6-12-11		
2)	**Mega Lessons**			
1.	सार्वजनिक सम्पत्ति	11-12-11		
2.	वनों के प्रकार	12-12-11		
3.	पर्यावरण के घटक	13-12-11		
4.	राष्ट्रीय प्रतीक	14-12-11		
5.	मसाले	15-12-11		
3)	**Discussion Lesson**			
(i)	भारतीय कृषि की समस्याएं	09-12-11		
(ii)	राष्ट्रीय प्रतीक	16-12-11		
4)	**School Teaching Practice Lessons**			
1.	सिंचाई के साधन	17-1-12		
2.	मिट्टी के प्रकार	18-1-12		
3.	पशुओं पर निर्भर उद्योग	19-1-12		
4.	बेरोजगारी (अर्थ व प्रकार)	20-1-12		
5.	बेरोजगारी (दूर करने के उपाय)	21-1-12		
6.	जनसंख्या वृद्धि (कारण)	23-1-12		
7.	जनसंख्या वृद्धि (रोकने के उपाय)	24-1-12		
8.	मशीनों के लाभ व हानियाँ	25-1-12		
9.	पशुपालन का महत्व	26-1-12		
10.	सौरमण्डल	27-1-12		
11.	भूकम्प	28-1-12		
12.	राष्ट्रवादी आन्दोलन	30-1-12		
13.	भारत छोड़ो आन्दोलन	31-1-12		
14.	मौलिक अधिकार	01-2-12		
15.	परिवहन के मार्ग	02-2-12		
16.	सरकार क्या है।	03-2-12		
17.	पंचायती राज	06-2-12		
18.	खनिज पदार्थ	07-2-12		
19.	कृषि	08-2-12		
20.	इतिहास के भेद	09-2-12		
5)	**Final Discussion Lesson**			
	राष्ट्रीय प्रतीक	11-2-11		
6)	**Observation Lessons**			
7)	**School Report**			

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

MICRO TEACHING LESSONS

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

Lesson No : 1

Date 17/1-12-11 — Duration of the period 5-10 min

Pupil Teacher's Name सुप्रिया — Pupil Teacher's Roll No. 1172

Class VI — Average Age of the pupils 12 Year

Subject सामाजिक अध्ययन — Topic भारत : एक परिचय

खोज पूर्ण प्रश्न कौशल

छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
सुप्रभात! बच्चों	सुप्रभात मैडम
प्र०- हमारे देश का क्या नाम है?	उ०- भारत।
प्र०- भारत पर लम्बे समय तक किसने शासन किया?	उ०- अंग्रेजों ने।
प्र०- भारत अंग्रेजों के चंगुल से कब स्वतंत्र हुआ?	उ० - 15 अगस्त, 1947 को
प्र० - भारत का संविधान कब लागू हुआ?	उ०-26 जनवरी, 1950 को
प्र० - भारत में कितने राज्य है?	उ०- 28 राज्य।
प्र०- भारत की राजधानी कौन सी है?	उ०- दिल्ली।
प्र०-भारत मे कितने केन्द्र शासित प्रदेश है?	उ०- सात।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्र०- जनसंख्या की दृष्टि से भारत का विश्व में कौन सा स्थान है?	उ०- दूसरा स्थान।
प्र०- भारत के वर्तमान राष्ट्रपति कौन है?	उ०- श्रीमति प्रतिभा देवी सिंह पाटिल।
प्र०- भारत के पड़ोसी देश कौन कौन से है?	उ०- पाकिस्तान, श्रीलंका अफगानिस्तान चीन नेपाल भूटान, बंगलादेश।
प्र०- क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का विश्व में कौन सा स्थान है?	उ०- सातवाँ स्थान।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

* निरीक्षक अनुसूची मापदण्ड *

* घटक *	V. Poor	Poor	Avg.	good	V. good
1. अनुबोधन	0	1	2	**3**	4
2. अधिकसूचना प्राप्ति	0	1	2	3	**4**
3. पुनः केन्द्रण	0	1	2	**3**	4
4. पुनः निर्देशन	0	1	2	3	**4**
5. समीक्षात्मक अभिज्ञता	0	1	2	**3**	4
6. संकेतात्मक	0	1	2	3	**4**

दिनांक - 17-1-12

पर्यवेक्षक हस्ताक्षर -

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

Lesson No :...2...........

Date 2-12-11

Duration of the period 5-10 min

Pupil Teacher's Name सुप्रिया

Pupil Teacher's Roll No. 1172

Class VI

Average Age of the pupils 12 year

Subject सामाजिक अध्ययन

Topic ज्वालामुखी

* विवरण कौशल *

छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
ज्वालामुखी: ज्वालामुखी भूपर्पटी से बना एक छेद या दरार है। पृथ्वी के अन्दर से मैग्मा में इसी छेद से निकलता है। मैग्मा में पिघले हुए शैलों के साथ भाप और गैस भी शामिल है। जैसा कि मैग्मा भू पृथ्वी पर आता है वैसे ही भाप और गैस तुरन्त उसमे से जुड़ जाती है। भू पृष्ठ पर शैलों के साथ भाप और गैस भी शामिल है। जैसा कि मैग्मा भू पृथ्वी पर आता है वैसे ही भाप और गैस तुरन्त उसमे से जुड़ जाती है भू पृष्ठ पर शैलों के पिघलते हुए इस रूप को लावा कहते है।	सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे हैं।

UNITED SECULAR SOCIETY

छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
शैलवाकार पहाड़ी जो पदार्थ उद्भेदन के पश्चात निकाश नालियों से निकलते है वह नालियों के चारो ओर जमकर शैलवाकार पहाड़ी का निर्माण करते है।	
ज्वालामुखी के प्रकार क्रियाशीलता के आधार पर ज्वालामुखी को तीन भागों में बाँटा गया है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे हैं।
① सक्रिय ज्वालामुखी (Active Volcanoes) ② प्रसुप्त या सुप्त ज्वालामुखी (Dorment Volcanoes) ③ मृत ज्वालामुखी (Extinct Volcanoes)	

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्र०-1 ज्वालामुखी से आप क्या समझते हैं?	उ०- यह पृथ्वी में बना हुआ एक दरार या छेद है। जहाँ पृथ्वी कमजोर होती है, वहाँ की परतों में से गर्म पदार्थ बाहर निकलता है जिसमें मैगमा लावा बाहर आता है।
प्र०-2 लावा से क्या-2 भू आकृतियाँ बनती है?	उ०- शंकवाकार पहाड़ी एवं पठार आदि भू आकृतियाँ बनती है।
प्र०-3 ज्वालामुखी कितने प्रकार की होती है?	उ०- तीन प्रकार की ① सक्रिय ज्वालामुखी ② सुप्त ज्वालामुखी ③ मृत ज्वालामुखी

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

← वाछनीय व्यवहार →

घटक	निर्धारण मापनी						
1. उपर्युक्त प्रांरभिक कथनों का प्रयोग	0	1	2	3	4	5	6
2. व्याख्या सेतुओं का प्रयोग	0	1	2	3	4	5	6
3 आवश्यक बिन्दुओं पर ध्यान देना	0	1	2	3	4	5	6
4. बोध परिक्षण	0	1	2	3	4	5	6

← अवांछनीय व्यवहार →

घटक	निर्धारण मापनी						
1. निर्थक कथनों का प्रयोग	0	1	2	3	4	5	6
2. तारतम्यता का अभाव	0	1	2	3	4	5	6
3 प्रवाहिता का अभाव	0	1	2	3	4	5	6
4. अस्पष्ट शब्दों का प्रयोग	0	1	2	3	4	5	6

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

Lesson No : 3

Date: 3-12-11 | Duration of the period: 5-10 mm.

Pupil Teacher's Name: सुप्रिया | Pupil Teacher's Roll No.: 1172

Class: VIII | Average Age of the pupils: 14 Year

Subject: सामाजिक अध्ययन | Topic: खनिज पदार्थ

* उद्दीपन परिवर्तन कौशल *

छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
1. बच्चों नमक लोहा पैट्रोल ग्रेफाईट ये सब कहाँ से प्राप्त होते हैं?	उ० - कोई उत्तर नहीं।
2. ये पदार्थ क्या कहलाते हैं?	उ० . खनिज पदार्थ
3. बच्चों नमक किस समूह से प्राप्त होता है?	बच्चे ध्यानपूर्वक सुन रहे हैं?
4. बच्चों पैट्रोलियम को क्या कहा जाता है?	उ० - हरा सोना
5. शाबाश बच्चों! (आवाज में परिवर्तन लाते हुए)	
6. राम बताओ प्रतिदिन आपके उपयोग में आने वाले खनिज पदार्थ कौन-कौन से है।	उ० - नमक कोयला डीजल पैट्रोलियम आदि।
(कक्षा और अध्यापक के मध्य अन्त क्रिया)	

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

निरिक्षक अनुसूची मापदण्ड

घटक	निर्धारण मापनी						
1. गति	0	1	2	3	4	**5**	6
2. हाव भाव	0	1	2	3	4	**5**	6
3. आवाज में परिवर्तन	0	1	2	3	**4**	5	6
4. रुकना	0	1	2	3	4	**5**	6
5 बात करने में बदलाव	0	1	2	3	**4**	5	6
6 पुनः केन्द्रण	0	1	2	3	4	**5**	6
7. भौतिक दर्शन	0	1	2	3	**4**	5	6
8 विद्यार्थियों का सहयोग	0	1	2	3	4	**5**	6

-।- पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

Lesson No : 4

Date: 5-12-11 | Duration of the period: 5-10 min

Pupil Teacher's Name: सुप्रिया | Pupil Teacher's Roll No. 1172

Class: VII | Average Age of the pupils: 13 Year

Subject: सामाजिक अध्ययन | Topic: सौर मंडल

-।- प्रश्न कौशल -।-

छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्र०-1 बच्चो हम लोग कहाँ पर रहते हैं?	उ० धरती पर।
प्र०-2 यह पृथ्वी किस चीज से चारों ओर घिरी हुई थी?	उ० पानी से।
प्र०-3 बच्चों हम दिन में चन्द्रमा और तारों को क्यों नहीं देख सकते?	उ० सूर्य के प्रकाश के कारण।
प्र०-4 राम बताओ आकाश में चमकने वाली वस्तुओं को क्या कहते हैं?	उ० खगोलिक पिण्ड।
प्र०-5 बच्चो, दो खगोलिक पिण्ड के उत्तर दो?	उ० सूर्य और चंद्रमा

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्र०-6 ग्रह किसे कहते हैं?	उ० वह खगोलिक पिण्ड जिसमें अपना प्रकाश नहीं होता।
प्र०-7 तारा किसे कहते हैं?	उ० जिन खगोलिक पिण्डे से कम प्रकाश होता है।
प्र०-8 बच्चों क्या चंद्रमा खगोलिक पिण्ड है?	उ० हाँ।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

-।- निरीक्षक अनुसूचि मापदण्ड -।-

	घटक	निर्धारण मापनी						
1	प्रोत्साहन	0	1	2	3	4	5	6
2	अधिक सूचना प्राप्त करना	0	1	2	3	4	5	6
3	पुनः केन्द्रण	0	1	2	3	4	5	6
4	पुनः निर्देशन	0	1	2	3	4	5	6
5	आलोचनात्मक जागरूकता को बढ़ाना	0	1	2	3	4	5	6

पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

Lesson No : 5

Date 6-12-11 | Duration of the period 5-10 min

Pupil Teacher's Name सुप्रिया | Pupil Teacher's Roll No. 1172

Class VII | Average Age of the pupils 13 Year

Subject सामाजिक अध्ययन | Topic सौर मण्डल

उदाहरण कौशल

छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
उदाहरण 1. पृथ्वी एक ग्रह है?	छात्र सुन रहे हैं।
प्र॰1 ग्रहों की क्या विशेषता है?	उ॰ ग्रहों में स्वयं का प्रकाश नहीं होता। सूर्य के चारों ओर चक्कर लगाते हैं।
उदाहरण चंद्रमा एक उपग्रह है।	छात्र सुन रहे है।
प्र॰2 एक उपग्रह की क्या विशेषताएँ होती है।	उ॰ वे ग्रहों के चारो ओर चक्कर लगाते है।
प्र॰3 पृथ्वी के पास कितने उपग्रह है	उ॰ एक उपग्रह (चंदमा)
प्र॰4 बच्चो एक तारे का नाम बताओ जो पृथ्वी के नजदीक है?	उ॰ सूर्य

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

निरिक्षक अनुसूची मापदण्ड

घटक	निर्धारण मापनी						
1. सम्बन्धित उदाहरणों का प्रयोग	0	1	2	3	4	5	**6**
2. सरल उदाहरण का प्रयोग	0	1	2	3	4	**5**	6
3. रोचक उदाहरण का प्रयोग	0	1	2	3	4	5	**6**
4. आगमन निगमन विधि का प्रयोग	0	1	2	3	4	**5**	6
5. उचित उदाहरणों का प्रयोग	0	1	2	3	4	5	**6**

UNITED SECULAR SOCIETY

पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर

Scanned by CamScanner

MEGA TEACHING LESSONS

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

Lesson No : 1

Date 11-12-11 Duration of the period 30-35 min

Pupil Teacher's Name सुप्रिया Pupil Teacher's Roll No. 1172

Class VI Average Age of the pupils 12 Year

Subject सामाजिक अध्ययन Topic सार्वजनिक सम्पत्ति

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

ज्ञानात्मक उद्देश्य

① विद्यार्थी सार्वजनिक सम्पत्ति का प्रत्यास्मरण करने में सक्षम होंगें।

② छात्र सार्वजनिक समपत्ति को पहचानने में निपुण होंगें।

बोधात्मक उद्देश्य -

① विद्यार्थी सार्वजनिक समपत्ति की व्याख्या करने में सक्षम होंगें।

② विद्यार्थी सार्वजनिक समपत्ति को उदाहरण सहित समझने में कुशल हो सकेगें।

प्रयोगात्मक उद्देश्य -

① विद्यार्थी सार्वजनिक सम्पत्ति को अपने दैनिक जीवन में प्रयोग करने में सक्षम होंगें।

② छात्र सार्वजनिक समपत्ति का विस्तार पूर्वक उल्लेख करने में सक्षम हो सकेगें।

सामान्य शिक्षण सामग्री -

चाक झाड़न संकेतक, चाकबोर्ड आदि।

विशिष्ट शिक्षण सामग्री -

सार्वजनिक सम्पत्ति को दर्शाता हुआ चार्ट।

UNIFIED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पूर्वज्ञान परीक्षण

छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
बच्चों आप पढ़ने कहाँ जाते हो?	स्कूल में।
लोग दवा लेने कहाँ जाते हैं?	अस्पतालों में।
सरकारी अस्पताल किस प्रकार की सम्पत्ति है?	सार्वजनिक सम्पत्ति।
आप सार्वजनिक सम्पत्ति का स्वरूप कैसे वर्णन कर सकते हैं?	अस्पष्ट उत्तर।

UNITED SECULAR SOCIETY

उपविषय की घोषणा – बच्चों आज हम आपको सार्वजनिक सम्पत्ति के विषय में विस्तार पूर्वक जानकारी करायेंगे।

Scanned by CamScanner

शिक्षणबिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
वर्तमान समय में प्रयोग आने वाली सम्पत्ति	वर्तमान समय में अनेक प्रकार की सम्पत्ति हमारे दैनिक जीवन में काम आती है। जैसे - यातायात के साधन, डाकघर, अस्पताल, दूर संचार के साधन, स्कूल आदि।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	डाकघर, अस्पताल दूर संचार के साधन, स्कूल आदि
	इलाज के लिए हम किस सार्वजनिक सम्पत्ति का प्रयोग करते हैं?	उ०- सरकारी अस्पताल का।	
ऐतिहासिक सम्पत्ति	ऐतिहासिक सम्पत्ति के अन्तर्गत वे सम्पत्ति भी है जो हमें विरासत के रूप में प्राप्त होती है। जैसे - लालकिला, ताजमहल, प्राचीन मन्दिर, इण्डियागेट आदि।	छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे हैं।	ताजमहल लालकिला प्राचीन महल इण्डिया गेट आदि।
	इस प्रकार की सम्पत्ति पर सभी व्यक्तियों का समान रूप से अधिकार है। ऐसी सम्पत्ति को सार्वजनिक सम्पत्ति कहते हैं।	छात्र लिख रहे हैं।	

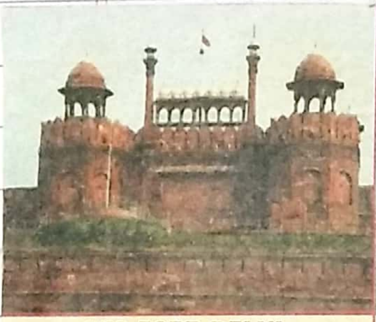

RED FORT, DELHI
लाल किला, नई दिल्ली

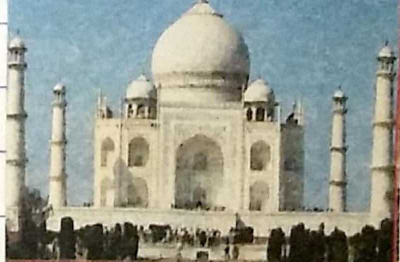

TAJ MAHAL, AGRA
ताजमहल, आगरा

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
LAXMI NARAYAN MANDIR (BIRLA), NEW DELHI लक्ष्मी नारायण मंदिर (बिड़ला), नई दिल्ली	सार्वजनिक सम्पत्ति का प्रयोग सभी व्यक्तियों के लिए है जैसे - रेलवे विद्यालय, सरकारी अस्पताल, डाकघर, बसें, दूरसंचार के साधन, हवाई जहाज आदि सम्पत्ति सार्वजनिक सम्पत्ति के अन्तर्गत आती है।	छात्र ध्यान पूर्वक कापी में लिख रहे है।	रेलवे, विद्यालय, सरकारी अस्प., डाकघर बसे, हवाई जहाज आदि।
रख-रखाव या ध्यान 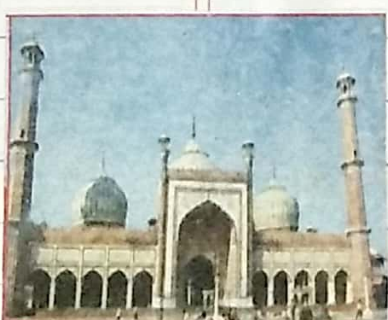 JAMA MASJID, DELHI जामा मस्जिद, दिल्ली	सार्वजनिक सम्पत्ति का हमें विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए। ① उसको हमें स्वच्छ रखना चाहिए। ② उसको हमें नुकसान नहीं पहुँचाना चाहिए। ③ इसका सदउपयोग करना चाहिए। आदि		सार्वजनिक सम्पत्ति का हमें ध्यान रखना चाहिए।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पुनरावृत्ति

छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्र० किसी दो सार्वजनिक सम्पत्ति का नाम बताओ?	उ० - सरकारी अस्पताल, सरकारी विद्यालय।
प्र० - सार्वजनिक सम्पत्ति मुख्य रूप से कितने प्रकार की होती है?	उ० - सार्वजनिक सम्पत्ति मुख्य रूप से दो प्रकार की होती है। ① वर्तमान । ② ऐतिहासिक।
प्र० - रेलगाड़ी किस प्रकार की सम्पत्ति है?	उ० - सार्वजनिक सम्पत्ति
प्र० - पत्र भेजने के लिए हम किस सम्पत्ति का प्रयोग करते है?	उ० - डाकघर।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

गृहकार्य

प्र०- सार्वजनिक सम्पत्ति किसे कहते हैं, इसका उपयोग हमें कैसे करना चाहिए?

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

Lesson No : 2

Date 12-12-12 Duration of the period 30-35 min

Pupil Teacher's Name सुप्रिया Pupil Teacher's Roll No. 1172

Class VIII Average Age of the pupils 14 Year

Subject सामाजिक अध्ययन Topic वनों के प्रकार

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

ज्ञानात्मक उद्देश्य:

① विद्यार्थी वनो के महत्व का प्रत्यास्मरण कर सकेगें।
② विद्यार्थी वनो के प्रकारों की सूची बनाने में सक्षम हो सकेगें।

बोधात्मक उद्देश्य:

① छात्र वनो का वर्गीकरण करने में सफल हो सकेगे।
② विद्यार्थी वनों के प्रकारो की पहचान करने में निपुण हो सकेगें।

प्रयोगात्मक उद्देश्य:

① छात्र वनों के प्रकारों की विस्तार पूर्वक उल्लेख करने में सक्षम हो जाएगें।
② छात्र वनों के प्रकारो की जाँच करने में निपुण हो सकेगें।

सामान्य शिक्षण सामग्री: चाक, झाड़न, संकेतक, चाकबोर्ड।

विशिष्ट शिक्षण सामग्री: वनों के प्रकारो को दर्शाता हुआ चार्ट।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पूर्वज्ञान परीक्षण

छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्र० बच्चो घरो के दरवाजे एवं खिड़कियाँ किस वस्तु की बनी होती है?	उ० लकड़ी से।
प्र०- लकड़ी हमें कहाँ से प्राप्त होती है?	उ० वृक्षों से प्राप्त होती है।
प्र०- वृक्षों के समूह को क्या कहते हैं?	उ० वृक्षों के समूह को वन कहते हैं।
प्र०- वन कितने प्रकार के होते हैं?	उ० अस्पष्ट उत्तर

उपविषय की घोषणा -

बच्चो आज हम सब वनो के प्रकार के विषय में विस्तार पूर्वक पढ़ेंगे।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
भूमिका-	वन प्रकृति की ओर से दिया जाने वाला प्राकृतिक उपहार है। किसी भी देश की अर्थव्यवस्था में वनों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। भारत में कुल 23% भूमि पर वन पाये जाते हैं।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	भारत में कुल 23% भूमि वन पाये जाते हैं।
प्र०-	भारत में कितने भाग पर वन है?	उ० -23% भाग पर	
वनों के प्रकार-	हमारे देश में मुख्य रूप से पाँच प्रकार के वन पाये जाते हैं। 1 सदाबहार वन 2 मानसूनी वन 3 कटीले वन 4 पर्वतीय वन 5 डेल्टायी वन	छात्र ध्यान पूर्वक कापी में लिख रहे हैं।	① सदाबहार वन। ② मानसूनी वन। ③ कटीले वन। ④ पर्वतीय वन। ⑤ डेल्टायी वन।
प्र०-	भारत में कितने प्रकार के वन पाये जाते हैं?	उ०-भारत में पाँच प्रकार के वन पाये जाते हैं।	

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

	शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
1.	सदाबहार वन	सदाबहार वन भारत के उन क्षेत्रों में पाये जाते हैं जहाँ वर्षा 30 सेमी॰ से अधिक होती है। ये वन बंगाल की खाड़ी में पाये जाते हैं। ये वन सदैव हरे रहते हैं। ये बहुत घने होते हैं। जैसे- रबड़ ताड़ नारियल सिनकोना आदि इनके प्रमुख वृक्ष है।	छात्र ध्यान पूर्वक लिख रहे हैं।	वर्षा 30 से.मी. से अधिक बंगाल की खाड़ी में पाये जाते हैं। रबड़ ताड़ नारियल. सिनकोना आदि।
2.	मानसूनी वन	ये वन हिमालय की तराई पूर्वी घाट, मध्य बंगाल आदि स्थानों पर पाये जाते हैं। ये वन सदा हरे भरे नहीं रहते है। यह वन वर्ष में एक बार अपने सारे पत्ते गिरा देते हैं। यह 100 से 200 से मी वर्षा वाले प्रान्तों में पायेजाते हैं। इनमें शीशम आम	छात्र ध्यान पूर्वक सुनकर कॉपी में लिख रहे हैं।	200 से.मी. वर्षा वाले प्रान्तों में पाये जाते हैं।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
3. कटीले वन	जहाँ 20 सेमी से कम वर्षा होती है वहाँ कटीले वन पाये जाते है। ये वन शुष्क भागों में पाये जाते है। इन वनों में झाड़ नुमा वृक्ष होते है। जैसे - बबूल कीकर आदि	छात्र लिख रहे हैं।	जहाँ 20 से.मी. कम वर्षा होती है जैसे- बबूल, कीकर आदि।
4. पर्वतीय वन	पर्वतीय वन हिमालय के भागों में पाये जाते हैं। ये वन नुकीले या शंकुनुमा होते हैं तथा इन वनों की लकड़ी कीमती होती है।	छात्र कॉपी लिख रहे हैं।	
5. डेल्टायी वन	ये वन प्रायः भारत के समुद्री तटों पर पाये जाते है। इन वनों के लिए 200 सेमी. से अधिक वर्षा वाले स्थानों पर पाये जाते है। ये वन केरल असम और दक्षिणी भागों में पाये जाते है।	छात्र लिख रहे हैं।	200 से.मी. से अधिक वर्षा वाले स्थानो पर पाये जाते हैं। केरल, असम, दक्षिणी भागों में पाये जाते हैं।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पुनरावृत्ति

छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्र० भारत का कितना भाग वनों से ढका हुआ है?	भारत का 23% भाग वनों से ढका हुआ है।
वन कितने प्रकार के होते है?	वन मुख्यतः पाँच प्रकार के होते है।
सदाबहार वन किसे कहते है?	सदाबहार वन उसे कहते है जो सदैव हरे भरे रहते हैं। जैसे- रबड़, ताड़, नारियल आदि।

गृहकार्य – प्र० वन कितने प्रकार के होते है?

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

Lesson No : 3

Date 13-12-12 Duration of the period 30-35 min

Pupil Teacher's Name सुप्रिया Pupil Teacher's Roll No. 1172

Class VII Average Age of the pupils 13

Subject सामाजिक अध्ययन Topic पर्यावरण के घटक

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

ज्ञानात्मक उद्देश्य :- ① छात्र पर्यावरण के घटक के बारे में ज्ञान प्राप्त कर सकेगें।
② छात्र पर्यावरण के घटक के विभिन्न अंगो की पहचान करने में सक्षम होगें।

बोधात्मक उद्देश्य :- ① छात्र पर्यावरण के घटक की व्याख्या कर सकेगें।
② छात्र पर्यावरण के घटको का तर्क कर सकेगें।

प्रयोगात्मक उद्देश्य :- ① विद्यार्थी पर्यावरण के घटक को अपने दैनिक जीवन में प्रयोग कर सकेगें।
② छात्र पर्यावरण घटक के अर्थ को समझ कर उनकी जाँच करने में सक्षम हो जाएगें।

सामान्य शिक्षण सामग्री :- चाक, झाड़न, संकेतक, चाकबोर्ड।

विशिष्ट शिक्षण सामग्री :- पर्यावरण घटक को दर्शाता हुआ चार्ट।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पूर्वज्ञान परीक्षण

छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्र०- हमें श्वास लेने के लिए किस गैस की आवश्यकता होती है?	उ०- आक्सीजन या CO_2
प्र०- आक्सीजन हमें कहाँ से प्राप्त होती है?	उ०- वायुमण्डल से।
प्र०- अपने चारो तरफ के आवरण को क्या कहते हैं?	उ०- पर्यावरण।
प्र०- पर्यावरण के घटक कौन - कौन से हैं?	उ०- अस्पष्ट उत्तर।

उपविषय की घोषणा -

अच्छा बच्चो आज हम आपको पर्यावरण के घटकों के बारे में विस्तार पूर्वक अध्ययन करायेगें।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
पर्यावरण-	पर्यावरण हमारे जीवन का आधार है। यह हमें श्वांस लेने के लिए वायु, पीने के लिए पानी तथा खाने के लिए भोजन देता है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे हैं।	(1) वायु मण्डल (2) जलमण्डल (3) स्थलमण्डल (4) जैव मण्डल
घटक	पर्यावरण के चार घटक होते हैं। वायुमण्डल जल मण्डल स्थल मण्डल जैव मण्डल	छात्र ध्यानपूर्वक कॉपी में लिख रहे हैं।	
प्र०-	पर्यावरण के दो घटक बताओ?	(1) स्थलमण्डल (2) वायुमण्डल	
वायुमण्डल	वायु की वह परत जो पृथ्वी के चारों तरफ फैली हुई है। वायुमण्डल की मोटाई सर्वत्र एक समान नहीं रहती है। वायु मण्डल में होने वाले परिवर्तन तंतुओं का जन्म देता है। यह मण्डल हमें सूर्य से आने वाली पराबैंगनी किरणों से बचाती है।	छात्र कॉपी में लिख रहे हैं।	वायु मण्डल की मोटाई सर्वत्र एक समान नहीं रहती है।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
स्थल मण्डल	पृथ्वी की परत जो शैलीय पदार्थों से मिलकर बनी है तथा महासागरों के उत्पन्न स्थल तक में विस्तृत है। स्थल मण्डल की मोटाई लगभग 100 किमी है। स्थल मण्डल सिलिकान तथा एल्युमिनियम शैलीय नामक परत से बना है।	छात्र ध्यान पूर्वक कॉपी में लिख रहे हैं	स्थलमण्डल सिलिकॉन तथा एलुमिनियम शैलिय नामक परत से बना है
जल मण्डल	पृथ्वी का वह भाग जो जल से घिरा है। जिसका निर्माण नदियों झीलों समुद्रों व महासागरों से होता है। जल मण्डल कहलाता है। पृथ्वी का लगभग 71% भाग जल से घिरा हुआ है। इसी कारण इसे जल मण्डल कहते हैं।	छात्र … में लि… रहे हैं।	पृथ्वी का लगभग 71% भाग जल से घिरा हुआ है/इसी कारण इसको जल मण्डल कहते है

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
	प्र०- जल मण्डल का निर्माण किससे होता है?	उ०- नदियों, झीलों महासागरों के द्वारा होता है।	नदियों झीलों महासागरों के द्वारा होता है।
जैवमण्डल	सौरमण्डल में हमारी पृथ्वी ही एक ऐसा ग्रह है जिस पर जीवन के लिए उपयुक्त परिस्थितियाँ है। जैवमण्डल में अनेक ग्रह तथा उपग्रह है और इसके अलावा तारा धूमकेतु मंदाकिनी आदि सौरमण्डल में विद्यमान है जैसे उल्का पिण्ड आदि भी जैव-मण्डल में है।	छात्र ध्यान पूर्वक कॉपी में लिख रहे हैं।	जैव मण्डल में अनेक ग्रह है इसके अलावा धूमकेतु मंदाकिनी आदि सौरमण्डल में है

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पुनरावृत्ति

छात्र अध्यापक क्रियाएं	छात्र क्रियाएं
प्र० - पर्यावरण का निर्माण किन किन परिमण्डलों से हुआ है?	पर्यावरण का निर्माण वायुमण्डल जलमण्डल स्थलमण्डल से मिलकर बनता है
कौन से ग्रह पर जीवन है?	पृथ्वी पर
जलमण्डल किसे कहते हैं?	पृथ्वी का वह भाग जो जल से घिरा है जल मण्डल कहलाता है।

गृहकार्य — प्र०:- पर्यावरण के घटक बताइए।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

Lesson No : 4

Date 14-12-12 Duration of the period 30-35 min

Pupil Teacher's Name सुप्रिया Pupil Teacher's Roll No. 1172

Class VI Average Age of the pupils 12 Year

Subject सामाजिक अध्ययन Topic राष्ट्रीय प्रतीक

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

ज्ञानात्मक उद्देश्य :

① छात्र राष्ट्रीय प्रतीकों का प्रत्यास्मरण करने में सक्षम होंगे।

② विद्यार्थी राष्ट्रीय प्रतीकों व चिन्हों के बारे में व्याख्या कर सकेंगे।

बोधात्मक उद्देश्य :

① विद्यार्थियों को राष्ट्रीय प्रतीक एवं चिन्हों के विषय में बोध कर सकेंगे।

② छात्र राष्ट्रीय प्रतीकों और चिन्हों का वर्गीकरण कर सकेंगे।

प्रयोगात्मक उद्देश्य :

① विद्यार्थी राष्ट्रीय प्रतीकों एवं चिन्हों को अपने दैनिक जीवन में प्रयोग कर सकेंगे।

② छात्र राष्ट्रीय प्रतीकों एवं चिन्हों का उल्लेख कुशलता से कर सकेंगे।

सामान्य शिक्षण सामग्री : चाक झाड़न संकेतक चाकबोर्ड।

विशिष्ट शिक्षण सामग्री : राष्ट्रीय प्रतीकों एवं चिन्हों को दर्शाता हुआ चार्ट।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पूर्वज्ञान परीक्षण

छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्र०- हम किस देश के नागरीक है ?	उ०- भारत के
प्र०- हमारे राष्ट्रीय ध्वज का क्या नाम है ?	उ०- तिरंगा
प्र०- राष्ट्रीय ध्वज में कितनी पट्टीयाँ है ?	उ०- तीन
प्र०- हमारे देश का राष्ट्रीय पशु कौन सा है ?	उ० अस्पष्ट उत्तर।

उपविषय की घोषणा -

बच्चों आज हम आपको हमारे राष्ट्रीय पक्षी प्रतीक एवं चिन्हों के विषय में अध्ययन करायेंगे।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
राष्ट्रीय प्रतीक -	हम सभी भारत के नागरिक हैं। हम सब में देश के लिए अपार प्रेम है। राष्ट्रीय गौरव गरिमा की पहचान बनकर ऐसे व्यक्त किया जाता है हमारा राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रीय चिन्ह, राष्ट्रीय प्रतीक हमारी स्वतंत्रता के प्रतीक है। इसका सम्मान करना हमारा परम ~~कर्तव्य~~ कर्तव्य है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे हैं।	हमारा राष्ट्रीय ध्वज राष्ट्रीय चिन्ह राष्ट्रीय प्रतीक हमारा स्वतंत्रता के प्रतीक है। इसका सम्मान करना हमारा परम कर्तव्य है।
प्रश्न -	हमारे राष्ट्रीय चिन्ह कौन कौन से है?	① राष्ट्रीय ध्वज ② राष्ट्रीय चिन्ह ③ राष्ट्रीय पुष्प ④ राष्ट्रीय पशु ⑤ राष्ट्रीय पक्षी	
राष्ट्रीय ध्वज -	संविधान सभा में भारत की स्वतंत्रता प्राप्ति से केवल तीन सप्ताह पूर्व 22 जुलाई 1947 ई० को राष्ट्रीय ध्वज अपनाया गया। इसका आकार आयताकार है तथा इसमें तीन रंग है	छात्र कॉपी में लिख रहे हैं।	22 जुलाई 1947 को राष्ट्रीय ध्वज अपनाया गया इसका आकार आयताकार है।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
राष्ट्रीय चिन्ह -	केसरिया सफेद हरा। हमारा राष्ट्रीय चिन्ह सम्राट अशोक द्वारा बनवायी गयी ल्याट से लिया गया है। जिस पर चार सिंह अंकित है। यह दो भागों में बटां है। ऊपरी भाग में चार शेर तथा नीचे भाग में (सत्यमेव जयते) लिखा हुआ है। जिसका अर्थ है सत्य की जीत होती है	छात्र ध्यानपूर्वक कापी में लिख रहे है।	केसरिया। सफेद। हरा। सत्यमेव जयते
राष्ट्रीय पशु	हमारे देश का राष्ट्रीय पशु बाघ है। बाघ शक्ति और शान का प्रतीक है। इसे हमारे राष्ट्रीय पशु के रूप में चुना गया है।	छात्र लिख रहे हैं।	राष्ट्रीय पशु बाघ है।
प्र०-	हमारा राष्ट्रीय पशु क्या है?	बा	

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र-अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
राष्ट्रीय पुष्प	हमारा राष्ट्रीय पुष्प कमल का फूल है। यह झीलों के तट पर मिलता है। यह भारतवासियों के लिए सच्चाई का प्रतीक है। यह सांसारिक बुराइयों को नीचे तथा आदर्शों को ऊपर उड़ने की प्रेरणा देता है।	छात्र श्यामपट्ट कापी में लिख रहे हैं।	राष्ट्रीय पुष्प कमल है यह सच्चाई का प्रतीक है
राष्ट्रीय गीत	वन्देमातरम् हमारे देश का राष्ट्रीय गीत है। इसे सभी महत्वपूर्ण अवसर पर गाया जाता है। इसकी रचना बंकिम चन्द्र चटर्जी ने की थी। ये अपनी मातृभूमि के प्रति कर्तव्य और प्रेम को प्रदर्शित करता है।	छात्र कापी में लिख रहे हैं।	राष्ट्रीय गीत वन्देमातरम है इसकी रचना बंकिम चन्द्र चटर्जी ने की थी
राष्ट्रीय गान	राष्ट्रीय गान के रचयिता श्री रविन्द्र नाथ टैगोर है। यह राष्ट्रीय गान 26 जनवरी 1950 को अपनाया गया।	छात्र लिख रहे है।	

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पुनरावृत्ति

छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्र० - हमारे राष्ट्रीय ध्वज का क्या नाम है?	उ० तिरंगा।
प्र० - हमारे राष्ट्रीय गीत क्या है?	उ० वन्देमातरम।
प्र० - हमारा राष्ट्रीय पुष्प कौन सा है?	उ० - कमल
प्र० - राष्ट्रीय गीत के रचियता कौन है।	उ० - बंकिम चंद्र चटर्जी।

गृहकार्य - हमारे देश के राष्ट्रीय प्रतीक और चिन्ह कौन कौन से है। विस्तार पूर्वक करो?

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

Lesson No : 5

Date 15-12-11 Duration of the period 30-35 min

Pupil Teacher's Name सुप्रिया Pupil Teacher's Roll No. 1172

Class VIII Average Age of the pupils 14 Year

Subject सामाजिक अध्ययन Topic फसलें

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

ज्ञानात्मक उद्देश्य :-

① छात्र फसलों के बारे में प्रत्यास्मरण कर सकेंगे।

② छात्र फसलों को उदाहरण सहित समझ पाने में सक्षम हो सकेंगे।

बोधात्मक उद्देश्य :-

① विद्यार्थी फसल चक्र की व्याख्या करने में सक्षम हो सकेंगे।

② छात्र हमारी प्रमुख फसलों के बारे में रूचि पैदा कर सकेंगे।

प्रयोगात्मक उद्देश्य :-

① विद्यार्थी फसलों को आर्थिक सम्पन्नता के लिए प्रयोग कर सकेंगे।

② छात्र फसलों को मौसम के अनुसार उल्लेख करने में सक्षम होंगे।

सामान्य शिक्षण सामग्री :-

चाक, झाड़न, संकेतक, चाकबोर्ड।

विशिष्ट शिक्षण सामग्री :-

फसलों को दर्शाता हुआ चार्ट।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पूर्वज्ञान परीक्षण

छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
बच्चो खेतो में क्या क्या पैदा किया जाता है?	अनाज सब्जियाँ फल आदि।
अनाज, सब्जियाँ, फल आदि को खेतों में कौन उगाता है?	किसान।
फसलें कितने प्रकार की होती हैं?	अस्पष्ट उत्तर।

उद्देश्य की घोषणा :- अच्छा बच्चो आज हम कक्षा में अपनी प्रमुख फसलों के बारे में पढ़ेंगे।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
प्रमुख फसलें	भारत में उगायी जाने वाली प्रमुख फसलों को खाद्य सामग्री और व्यापारिक फसलों में वर्गीकृत किया गया है। कुछ खाद्य फसलों में अन्तर सम्मिलित किया जाता है। खाद्य फसलों में सभी प्रकार के अनाज, दालें तिलहन एवं कंद शामिल है। चावल गेहूं मक्का आदि प्रमुख फसलें हैं।	छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे हैं। छात्र सुनकर कॉपी में लिख रहे हैं।	प्रमुख फसलें अनाज, दालें, तिलहन एवं कंद शामिल हैं। चावल मक्का गेहूं आदि
प्रश्न -	फसलें कितने प्रकार की होती हैं?	दो प्रकार की ① खादय फसल ② व्यापारिक फसल	① खादय फसलें ② व्यापारिक फसल
चावल -	चावल पाँच हजार वर्षों से भी अधिक समय से उगाया जाता है। इसकी उत्पत्ति शायद भारत में ही हुई है। चावल की खेती के लिए 100 से.मी. से 150 से.मी. तक वर्षा की आवश्यकता।	छात्र कॉपी लिख रहे हैं।	चावल की खेती के लिए 100 सेमी. से 150 सेमी.

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
	होती है। इसके लिए तापमान 20° सेन्टीग्रेड से अधिक होना चाहिए।	छात्र कॉपी में लिख रहे हैं।	
गेहूँ	गेहूँ शीतोष्ण कटिबंधिय का पौधा है। इसे बोते समय सर्दी तथा काटते समय गर्मी की आवश्यकता होती है। दोमट मिट्टी गेहूँ की खेती के लिए उपयुक्त होती है। फिर भी यह शीतोष्ण प्रदेशों की मुख्य फसल है।	छात्र लिख रहे हैं।	गेहूँ शीतोष्ण कटिबंधियं पौधा है पंजाब हरियाणा उत्तरप्रदेश आदि में बोया जाता है
	पंजाब हरियाणा उत्तर-प्रदेश आदि राज्यों में गेहूँ की फसल प्रचुर मात्रा में उगायी जाती है। भारत में गेहूँ पैदावार की दृष्टि से पंजाब में सर्वाधिक होती है।	छात्र कॉपी में लिख रहे हैं।	

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
चाय -	चाय को इसके पौधे के कोमल पत्तियों से तैयार किया जाता है। चाय की अनेक किस्मे हैं। चाय को 25°c पर सामान्य तापमान पर लगभग 200 से मी. तक की वर्षा की आवश्यकता होती है। यह ढलानों पर उगायी जाती है। जैसे- असम, गुहाटी बंगाल आदि राज्यों में उगायी जाती है।	छात्र ध्यान पूर्वक लिख रहे हैं।	चाय 25°c पर सामान्य तापमान पर लगभग 200 से मी तक की वर्षा की आवश्यकता असम गुहाटी बंगाल आदि
काफी -	विश्व की एक तिहाई जनसंख्या काफी पीती है। यह चाय के बाद विश्व का दूसरे नम्बर का पेय पदार्थ है	छात्र कॉपी में लिख रहे है।	
गन्ना -	गन्ना उत्तर प्रदेश की प्रमुख फसल है। यह चीनी उत्पादन में मुख्य भूमिका निभाता है।	छात्र लिख रहे हैं।	विश्व की एक तिहाई जनसंख्या कॉफी पीती है गन्ना उत्तर प्रदेश की प्रमुख फसल है।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पुनरावृत्ति

छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
गेहूँ भारत में मुख्य रूप से कहाँ पैदा होता है?	गेहूँ मुख्य रूप से पंजाब हरियाणा, उत्तरप्रदेश आदि राज्यों में उगाया जाता है।
चावल उत्पादक दो राज्यों के नाम बताओ?	पंजाब बिहार।
भारत में चावल की खेती के लिए कितनी वर्षा की आवश्यकता होती है?	100 से 125 सेमी. तक।
गन्ना मुख्य रूप से किस राज्य की फसल है?	उत्तर प्रदेश

गृहकार्य –

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

DISCUSSION
LESSON - I

UNITED SECURITY SOCIETY

Scanned by CamScanner

Lesson No : 1

Date 19-12-12 Duration of the period 30-35 min

Pupil Teacher's Name सुप्रिया Pupil Teacher's Roll No. 1172

Class VI Average Age of the pupils 12 year

Subject सामाजिक अध्ययन Topic भारतीय कृषि की प्रमुख समस्यायें

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

ज्ञानात्मक उद्देश्य :-

① छात्र भारतीय कृषि की प्रमुख समस्याओं का ज्ञान प्राप्त करने में सक्षम हो सकेंगे।

(2) विद्यार्थी भारतीय कृषि की समस्याओं का उदाहरण सहित समझ सकेंगे।

बोधात्मक उद्देश्य :

① छात्र भारतीय कृषि की प्रमुख समस्याओं की व्याख्या करने में सक्षम हो सकेंगें।

② छात्र कृषि की प्रमुख समस्याओं के प्रति रुचि पैदा कर सकेंगें।

प्रयोगात्मक उद्देश्य :-

① विद्यार्थी भारतीय कृषि की प्रमुख समस्याओं का समाधान कर उसे अधिक सम्पन्नता के लिए प्रयोग करेंगे।

② छात्र भारतीय कृषि की समस्याओं को मौसम के अनुसार उल्लेख करने में निपुण हो सकेंगें।

सामान्य शिक्षण सामग्री-

चाक, झाड़न, संकेतक, चाकबोर्ड।

विशिष्ट शिक्षण सामग्री :

भारतीय कृषि की प्रमुख समस्याओं को दर्शाता हुआ चार्ट।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पूर्वज्ञान परीक्षण

छात्र अध्यापक क्रियाएं	छात्र क्रियाएं
प्र० हमारे देश की अधिकांश जनसंख्या कहाँ निवास करती है?	उ०- गाँवो में
प्र- गाँव के लोगो का मुख्य व्यवसाय या पेशा क्या है?	उ०- कृषि
प्र० भारतीय कृषि की प्रमुख समस्यायें कौन-कौन सी है	उ० छात्र असमर्थ उत्तर देते है

उद्देश्य की घोषणा

बच्चों आज हम भारतीय कृषि की प्रमुख समस्याओं का अध्ययन करेंगे।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
प्रस्तुतीकरण	भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि का महत्वपूर्ण स्थान रहा है। भारत में लगभग 70% लोग कृषि पर आश्रित है परन्तु भारतीय कृषि पिछड़ी हुई है। इसके अनेक कारण है। तो आज हम भारतीय कृषि की प्रमुख समस्याओं के विषय में विस्तार पूर्वक अध्ययन करेंगे जो निम्नलिखित है	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं। छात्र सुनकर कॉपी में लिख रहे हैं।	भारत में लगभग 70% लोग कृषि पर आश्रित है
प्र०	भारतीय अर्थव्यवस्था किस पर निर्भर है।	उ० कृषि पर	
प्राकृतिक समस्यायें —	भारतीय कृषि की एक प्रमुख समस्या प्राकृतिक समस्या है। भारतीय कृषि आज भी प्रकृति एवं मानसून पर निर्भर है। अनावृष्टि अतिवृष्टि बाढ़, या तूफान आदि के कारण समय-समय पर कृषक को बहुत हानि उठानी पड़ती है।	छात्र लिख रहे हैं।	प्राकृतिक समस्याये- अनावृष्टि अतिवृष्टि बाढ़ या तूफान आदि।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
	आज भी भारत में सिंचित भूमि का 31% भाग है जोकि काफी कम है। इसके अलावा भूमि के कटाव, फसलों के रोग तथा प्राकृतिक आपदाओं से भी यहाँ की कृषि को काफी हानि होती है	छात्र ध्यानपूर्वक कापी में लिख रहे हैं। छात्र कापी में लिख रहे हैं।	भारत में 31% भाग सिंचित भूमि का है।
जैसे-	बाढ़, ओलावृष्टि, सूखा आदि।		
2. तकनीकी समस्याएँ —	आज भी हमारे देश में फसलों को बोने, खाद डालने, सिंचाई करने व फसलों को काटने की रीतियाँ पुरानी हैं	छात्र लिख रहे हैं।	

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	श्यामपट्ट
	इसका मुख्य कारण कृषकों में क्रियात्मक शक्ति की कमी निर्धनता व अज्ञानता है खेती या भूमि में अच्छी तरह खाद न देने से उर्वरता के तत्व बहुत कम हो गये	छात्र ध्यानपूर्वक सुनकर कॉपी में लिख रहे हैं	तकनीकी समस्या- उन्नत किस्म के बीज आधुनिक मशीनों का अभाव।
	तथा अधिकांश भारतीय किसानों द्वारा लाये जाने वाले बीज अप्रमाणिक व खराब होते हैं सिंचाई वाले क्षेत्रों में केवल एक ही फसल उगा पाते हैं तथा कीड़े-मकोड़े से होने वाली हानि 15% तक बढ़ जाती है	छात्र कॉपी में लिख रहे हैं	उन्नत कीटनाशक दवाइयों का अभाव अज्ञानता निर्धनता आदि।
जैसे —			
1.	उन्नत किस्म के बीज खाद।	छात्र लिख रहे हैं	
2.	आधुनिक मशीनों का अभाव		
3.	उन्नत कीटनाशक दवाईयों का अभाव		

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
(3) आर्थिक एवं अन्य समस्याएँ -	खेती में उचित पैदावार न होने के कारण कृषक अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति किस प्रकार करता है। वह ~~ऋण~~ ऋण लेकर ऋण के बोझ से दबा होने के कारण भारतीय किसान उन्नत उपकरण एवं बीज नहीं खरीद पाते हैं जिससे उत्पादन कम होता है। भारत में जनसंख्या वृद्धि दर 2.5% प्रतिशत है जिससे कृषि पर जनसंख्या का दबाव बढ़ता जा रहा है। भारतीय किसानों में परिश्रम न करने की वृत्ति जिसके कारण कृषि उपज कम होती है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुन कर लिख रहे हैं छात्र कॉपी में लिख रहे हैं।	आर्थिक समस्या ऋण के बोझ जनसंख्या वृद्धि दर 2.5% परिश्रम न करना आदि

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पुनरावृत्ति

छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्र० भारतीय कृषि मुख्य रूप से किस पर निर्भर है?	उ० वर्षा पर
प्र० किन प्राकृतिक आपदाओं के कारण हमारे देश की फसलों को काफी हानि होती है?	उ० बाढ़, सूखा, पाला, आदि के कारण
प्र० अन्य देश की तुलना में भारतीय कृषि में उत्पादन कम क्यों है?	उ० भारतीय कृषक उन्नत बीजों तथा रासायनिक खादों का प्रयोग नहीं करते।

गृहकार्य :-
प्र०:- भारतीय कृषि की क्या-क्या समस्याएँ हैं?

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

DISCUSSION LESSON - II

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

Lesson No : 1

Date 16-12-12 Duration of the period 30-35 min

Pupil Teacher's Name Supriya Pupil Teacher's Roll No. 1172

Class VII th Average Age of the pupils 13 Year

Subject सामाजिक अध्ययन Topic राष्ट्रीय प्रतीक

(अनुदेशनात्मक उद्देश्य)

ज्ञानात्मक उद्देश्य :-

(1) छात्र राष्ट्रीय प्रतीको का प्रत्यास्मरण करने में सक्षम होंगे।
(2) विद्यार्थी राष्ट्रीय प्रतीको व चिन्हो के बारे व्याख्या कर सकेंगे।

बोधात्मक उद्देश्य :-

(1) विद्यार्थियों को राष्ट्रीय प्रतीक एवं चिन्हो के विषय में बोध्य कर सकेंगे।
(2) छात्र राष्ट्रीय प्रतीको और चिन्हो का वर्गीकरण कर सकेंगे।

प्रयोगात्मक उद्देश्य :-

(1) विद्यार्थी राष्ट्रीय प्रतीको एव चिन्हो अपने दैनिक जीवन में प्रयोग कर सकेंगे।
(2) छात्र राष्ट्रीयो प्रतीको एवं चिन्हो का उल्लेख कुशलता से कर सकेंगे।

सामान्य शिक्षण सामग्री :- चाक, झाडन, संकेतक, चार्कबोर्ड

विशिष्ट शिक्षण सामग्री :- राष्ट्रीय प्रतीको एवं चिन्हो को दर्शाता हुआ माडल चार्ट।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

{ पूर्वज्ञान परीक्षण }

छात्र अध्यापक क्रियाएं	छात्र क्रियाएं
प्र०:- हम किस देश के नागरिक है?	उ०:- भारत के
प्र०:- हमारे राष्ट्रीय ध्वज का क्या नाम है?	उ०:- तिरंगा
प्र०:- राष्ट्रीय ध्वज में कितनी पट्टीया है?	उ०:- तीन
प्र०: हमारे देश का राष्ट्रीय पशु कौन सा है?	उ०:- अस्पष्ट उत्तर

उपविषय की घोषणा :-

×××× बच्चो आज हम आपको हमारे राष्ट्रीय प्रतीक एवं चिन्हो के विषय में अध्ययन करायेगे।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्याम पट्ट
राष्ट्रीय प्रतीक :-	हम सभी नागरिक है। हम सब ने अपने देश के लिए अपार प्रेम है। राष्ट्रीय गौरव गरीमा की पहचान बनकर ऐसे व्यक्त किया जाता है। हमारा राष्ट्रीय ध्वज राष्ट्रीय चिन्ह, राष्ट्रीय प्रतीक हमारी स्वतंत्रता के प्रतीक है। इसका सम्मान करना हमारा कर्तव्य है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे है।	कृषि के लिए सिंचाई अत्यन्त आवश्यक कुएँ नलकूप नहरे तालाब आदि से सिंचाई की जाती है
कुएँ दो प्रकार के होते है ① कच्चे कुएँ ② पक्के कुएँ	हमारे राष्ट्रीय चिन्ह कौन-2 से है?	छात्र ध्यानपूर्वक सुनकर कापी मे लिख रहे है।	
राष्ट्रीय ध्वज	संविधान सभा में भारत की स्वतंत्रता प्राप्ति से केवल तीन सप्ताह पूर्व 22 जुलाई 1947 ई० को राष्ट्रीय ध्वज अपनाया गया।	① राष्ट्रीय ध्वज ② राष्ट्रीय चिन्ह ③ राष्ट्रीय पुष्प ④ राष्ट्रीय पशु ⑤ राष्ट्रीय पक्षी	

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
	इसका आकार आयताकार है। तथा इसमे तीन रंग की पत्तिया है। केसरीया सफेद हरा	छात्र ध्यानपूर्वक लिख रहे है	
	केशरीया रंग त्याग और बलिदान का प्रतीक है। सफेद रंग शान्ति का प्रतीक है। हरा रंग समृद्धि एवं विकास का प्रतीक है।	छात्र कापी मे लिख रहे है।	नदियाँ सिंचाई का सबसे महत्वपूर्ण साधन हैं। उत्तरप्रदेश पंजाब हरियाणा और आन्ध्र प्रदेश।
राष्ट्रीय चिन्ह :-	हमारा राष्ट्रीय चिन्ह सम्राट अशोक द्वारा बनवायी गयी लाट से लिया गया है। जिस पर चार चिन्ह अंकित है। यह दो भागो मे बटा है ऊपरी भाग मे चार शेर तथा नीचे भाग मे सत्यमेव जयते लिखा हुआ है।	छात्र ध्यानपूर्वक अपनी कापी मे लिख रहे है	

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्याम पट्ट
	जिसका अर्थ सत्य की जीत होती है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे है।	
राष्ट्रीय पशु :-	हमारे देश का राष्ट्रीय पशु बाघ है। बाघ शक्ति और शान का प्रतीक है। इसे हमारे राष्ट्रीय पशु के रूप में चुना गया है।	छात्र कॉपी में लिख रहे है।	① प्राकृतिक तालाब ② कृत्रिम तालाब
	हमारा राष्ट्रीय पशु क्या है ?	बाघ	
राष्ट्रीय पुष्प :-	हमारा राष्ट्रीय पुष्प कमल का फूल है। वह झीलो के तट पर मिलता है। यह भारतवासियो के लिए सच्चाई का प्रतीक है। यह सांसारिक बुराई-यो को नीचे तथा अच्छा-ईयो को ऊपर उठाने की प्रेरणा देता है।	छात्र ध्यानपूर्वक लिख रहे है।	नलकूप सिंचाई का नवीनतम साधन है। इसको बिजली डीजल इन्जन द्वारा चलाया जाता है।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्याम पट्ट
राष्ट्रीय गीत	वन्दे मातरम् हमारे देश का राष्ट्रीय गीत है। इसे सभी महत्वपूर्ण अवसर पर गाया जाता है। इसकी रचना बंकिम चन्द्र चटर्जी ने की थी। ये राष्ट्रीय गीत अपनी मातृ भूमि के प्रति कर्तव्य और प्रेम को दर्शाता है	छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे हैं छात्र ध्यानपूर्वक सुनकर कापी में लिख रहे हैं	ये राष्ट्रीय गीत अपनी मातृभूमि के प्रति कर्तव्य और प्रेम को दर्शाता है
राष्ट्रीय गान	हमारे राष्ट्रीय गान के रचयिता श्री रविन्द्र नाथ टैगोर जी है। यह राष्ट्रीय ध्वज 26 जनवरी 1950 को अपनाया गया।	छात्र लिख रहे हैं।	

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

(पुनरावृत्ति)

छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्र०:- हमारे राष्ट्रीय ध्वज का क्या नाम है?	उ०→ तिरंगा ।
प्र०:- हमारा राष्ट्रीय गीत क्या है?	उ०→ बन्दे मातरम ।
प्र०:- हमारा राष्ट्रीय पुष्प कौन सा है?	उ०→ कमल ।
प्र०:- हमारे राष्ट्रीय गीत के रचयिता कौन है?	उ०→ बंकिम चन्द्र चटर्जी

गृहकार्य→

प्र०→ हमारे देश के राष्ट्रीय प्रतीक एवं चिन्ह कौन - कौन से है । बिस्तार पूर्वक व्याख्या करो?

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

SCHOOL TEACHING PRACTICE LESSONS

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

Lesson No : 1

Date 17-1-12

Pupil Teacher's Name Supriya

Class VII th

Subject सामाजिक अध्ययन

Duration of the period 30 Minut

Pupil Teacher's Roll No. 1172

Average Age of the pupils 13 Years

Topic सिंचाई के साधन

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

ज्ञानात्मक उद्देश्य :-

① छात्र सिंचाई के साधनों का ज्ञान प्राप्त कर सकेगें।

② छात्र सिंचाई के प्रमुख साधनों को उदाहरण सहित समझ सकेगे।

बोधात्मक उद्देश्य :-

① छात्र सिंचाई के प्रमुख साधनों की व्याख्या करने में सक्षम हो सकेगें।

② छात्र सिंचाई के प्रमुख साधनों के प्रति रूचि पैदा कर सकेगे।

प्रयोगात्मक उद्देश्य :-

① छात्र सिंचाई के प्रमुख साधनों को अपने दैनिक जीवन में प्रयोग कर सकेगें।

② छात्र सिंचाई के साधनों का विस्तार पूर्वक उल्लेख करने में सक्षम हो सकेगें।

सामान्य शिक्षण सामग्री :- चाक, झाड़न, संकेतक, चाकबोर्ड।

विशिष्ट शिक्षण सामग्री :- सिंचाई के प्रमुख साधनों को दर्शाता हुआ चार्ट।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पूर्वज्ञान परीक्षण

छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्र०- भारत की अधिकांश जनता कहाँ रहती है?	उ०- गाँवों में।
प्र०- गाँवों के लोगों का मुख्य व्यवसाय क्या है?	उ०- कृषि।
प्र०- कृषि के लिए हमें किन-किन चीजों की आवश्यकता होती है?	उ०- भूमि, जल, वायु, खाद, इत्यादि
प्र०- जल की प्राप्ति के स्रोत क्या हैं?	उ०- अस्पष्ट उत्तर।

उपविषय की घोषणा:-

बच्चों आज हम सिंचाई के साधनों का विस्तार पूर्वक अध्ययन करेंगे।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
प्रस्तुतीकरण :-	कृषि के लिए सिंचाई अत्यन्त आवश्यक है। जिस प्रकार मनुष्य को प्यास बुझाने के लिए जल की आवश्यकता होती है। उसी प्रकार फसलों की बढ़ोत्तरी के लिए जल आवश्यक है। वर्षा न होने पर जल हमें कुएँ नलकूप नहरें, तालाब, द्वारा सिंचाई करनी पड़ती है।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे है। छात्र सुनकर कॉपी में लिख रहे है।	कृषि के लिए सिंचाई अत्यन्त आवश्यक है कुएँ तालाब नहरें आदि
सिंचाई के प्रमुख साधन -	सिंचाई के निम्नलिखित साधन है। 1- कुएँ 2- नहरें 3- तालाब 4- नलकूप आदि।		कुएँ दो प्रकार के होते है कच्चे कुएँ पक्के कुएँ
1. कुएँ —	कुएँ दो प्रकार के होते ... है।	छात्र लिख रहे है।	

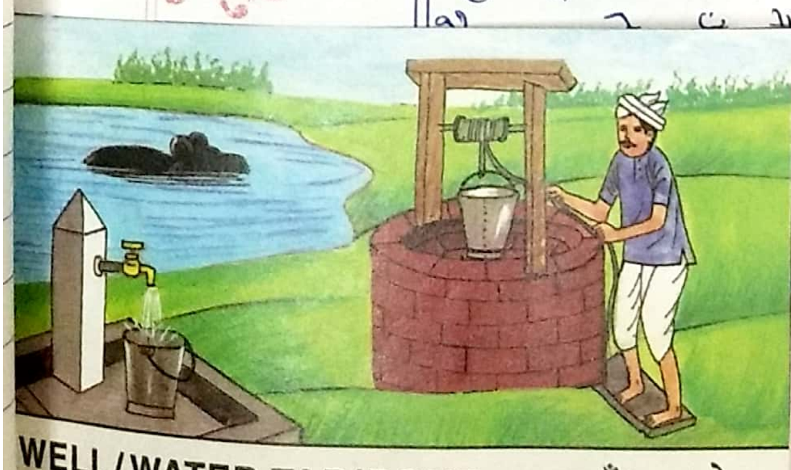

WELL/WATER TAP/POND कुआँ/नल/जोहड़

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
	और पानी अधिक नीचे नहीं होता। कुएं से पानी रहट ढेकली या चमड़े के थैले द्वारा निकाला जाता है। इससे सिंचाई सुगम व अत्यधिक सस्ती होती है।	छात्र ध्यानपूर्वक कॉपी में लिख रहे हैं।	रहट ढेकली या चमड़े के थैले द्वारा निकाला जाता है
2. नहरें –	नहरें सिंचाई का सबसे महत्वपूर्ण एवं पुरातन साधन है। नहरों का निर्माण ... या ... व ... है ... ही ... साधन है। सिंचाई का विशेष महत्व उत्तर प्रदेश पंजाब हरियाणा और आन्ध्र प्रदेश में नहरों द्वारा सिंचाई की जाती है।	छात्र कॉपी में लिख रहे हैं। छात्र लिख रहे हैं।	नहरें सिंचाई का सबसे महत्वपूर्ण साधन है

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
3. तालाब →	जिन क्षेत्रों की भूमि पथरीली एवं ऊबड़ खाबड़ होती है वहाँ तालाबों का निर्माण किया जाता है। तालाब दो प्रकार के होते है। (1) प्राकृतिक तालाब → इनमे वर्षा का जल स्वयं एकत्रित होता है। (2) कृत्रिम तालाब → ये तालाब मनुष्यों द्वारा निर्मित किये जाते है।	छात्र ध्यान पूर्वक सुनकर कॉपी में लिख रहे है। छात्र कॉपी में लिख रहे है	प्राकृतिक तालाब कृत्रिम तालाब
4. नलकूप →	नलकूप सिंचाई का नवीनतम साधन है। नलकूपों को बिजली द्वारा चलाया जाता है जिन क्षेत्रों में बिजली उपलब्ध नही होती वहाँ डीजल इन्जन द्वारा चालित नलकूपों से जल निकाला जाता है और सिंचाई की जाती है।	छात्र लिख रहे है।	नलकूप सिंचाई का नवीनतम साधन है

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पुनरावृत्ति

छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्र०- कुएँ कितने प्रकार के होते है।	उ०- दो प्रकार के होते हैं ① कच्चे कुएँ ② पक्के कुएँ।
प्र०- सिंचाई का प्राचीन एवं सबसे महत्वपूर्ण साधन है।	उ०- नहरें।
प्र०- तालाब का निर्माण कैसे क्षेत्रो में किया जाता है।	उ०- जिन क्षेत्रो की भूमि पथरीली, उबड़ खा[बड़] होती है।
प्र०- सिंचाई का नवीनतम साधन कौन सा है।	उ० नलकूप।

गृहकार्य

प्र०- सिंचाई के साधनो के बारे मे लिखें।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

Lesson No :...2............

Date...18...... Duration of the period...30 Min......

Pupil Teacher's Name...Supriya...... Pupil Teacher's Roll No...1172......

Class...VIII th...... Average Age of the pupils...14 Year......

Subject...सामाजिक अध्ययन...... Topic...मिट्टी के प्रकार......

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

ज्ञानात्मक उद्देश्य :- ① छात्र मिट्टी के प्रकारों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

② छात्र मिट्टी के प्रकारों की व्याख्या करने सक्षम हो जायेंगे।

बोधात्मक उद्देश्य :- ① छात्र मिट्टी के प्रकारों को उदाहरण सहित समझ सकेंगे।

② छात्र मिट्टी के प्रकारों को पहचाने में निपुण हो सकेंगे।

प्रयोगात्मक उद्देश्य :- ① छात्र मिट्टी के प्रकारों का विस्तार पूर्वक उल्लेख कर सकेंगे।

② छात्र मिट्टी के प्रकारों का प्रयोग अपने जीवन में कर सकेंगे।

सामान्य शिक्षण सामग्री :- चाक, डस्टर, संकेतक, चाकबोर्ड।

विशिष्ट शिक्षण सामग्री :- मिट्टी के प्रकारों को दर्शाता हुआ चार्ट।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पूर्वज्ञान परीक्षण

छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्र॰ हम फसलें कहाँ उगाते हैं	उ॰ भूमि पर।
प्र॰— भूमि की ऊपरी सतह को क्या कहते हैं।	उ॰- भूमि की ऊपरी सतह को मिट्टी कहते हैं।
प्र॰ मिट्टी कितने प्रकार की होती है	उ॰— अस्पष्ट उत्तर।

उपविषय की घोषणा :-

बच्चों आज हम मिट्टी के प्रकारों का विस्तृत अध्ययन करेंगे।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
भूमिका —	भूमि की ऊपरी सतह को मिट्टी कहते है। यह सतह उपजाऊ होती है। तथा कृषि के लिए उपयोगी भी होती है। मिट्टी के निम्न प्रकार होते है।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे है।	1) जलोढ़ या दोमट मिट्टी 2) काली मिट्टी 3 लेटराइट मिट्टी 4- मरुस्थलीय मिट्टी 5 पर्वतीय मिट्टी 6 लाल मिट्टी
मिट्टी के प्रकार —	मिट्टी के निम्न प्रकार है। 1- जलोढ़ या दोमट मिट्टी 2- काली मिट्टी 3- लेटराइट मिट्टी। 4- मरुस्थलीय मिट्टी। 5- पर्वतीय मिट्टी। 6- लाल मिट्टी।	छात्र सुनकर कॉपी में लिख रहे है।	
1- जलोढ़ या दोमट मिट्टी —	नदियों द्वारा बहाकर लाई गई मिट्टी को दोमट मिट्टी कहते है इसमें चिकनी और बालू दोनों का अंश होता है। इसलिए इसे दोमट मिट्टी कहते है।	छात्र लिख रहे है	नदियों द्वारा बहाकर लाई गयी मिट्टी दोमट मिट्टी कहलाती है।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	श्यामपट्ट
	गेहूं, चावल गन्ना तम्बाकू पटसन आदि के लिए दोमट मिट्टी उपयुक्त है। ये पंजाब, हरियाणा उत्तरप्रदेश पश्चिमी बंगाल, असम, गुजरात आदि में पायी जाती है।	छात्र कॉपी में लिख रहे है।	
2. काली मिट्टी:-	काली मिट्टी ज्वालामुखी पर्वतों के लावा, शैलो की टूट-फूट से बनी मिट्टी काली मिट्टी कहलाती है। काली मिट्टी भारत के मध्य प्रदेश, व महाराष्ट्र के अधिक भागों में पायी जाती है तथा तमिलनाडु व गुजरात के कुछ भागों में पायी जाती है। इस मिट्टी में मुख्य उपज कपास है।	छात्र लिख रहे है। छात्र लिख रहे है।	काली मिट्टी ज्वालामुखी पर्वतों के लावा शैलो की टूट फूट से बनी - तमिल नाडु गुजरात मुख्य उपज कपास

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियायें	छात्र क्रियायें	श्यामपट्ट
3. लैटराइट मिट्टी -	यह मिट्टी लाल रंग के शैलो के अवशेष से बनी है। यह मिट्टी तमिलनाडु, उडीसा व असम में पायी जाती है इस मिट्टी चाय कहवा रबड़ आदि के उत्पादन के लिए उपयुक्त है।	छात्र ध्यानपूर्वक कॉपी में लिख रहे हैं।	यह मिट्टी तमिलनाडू उडीसा व असम में पायी जाती है।
4. मरुस्थलीय मिट्टी -	यह मिट्टी बालू से बनी है इस मिट्टी में उपज नहीं होती है यह मिट्टी राजस्थान के मरुस्थल आदि स्थानों पर पायी जाती है।	छात्र लिख रहे हैं	
5. पर्वतीय मिट्टी -	यह मिट्टी पर्वतो के टूटकर बनी है इस मिट्टी में कंकड़ पत्थर अधिक मात्रा में पाये जाते हैं इसलिए इसको पर्वतीय मिट्टी कहते हैं।	छात्र कॉपी में लिख रहे हैं।	यह मिट्टी राजस्थान के मरुस्थल आदि स्थानों पर पायी जाती है।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पुनरावृत्ति

छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
नदियों द्वारा बहाकर लाई गई मिट्टी किस प्रकार की होती है।	दोमट मिट्टी
काली मिट्टी किसे कहते हैं।	धातुओं के मिश्रण के कारण इसका रंग काला होता है इसलिए इसे काली मिट्टी कहते हैं।
लैटराइट मिट्टी कैसे बनी है।	लाल रंग के शैलों के अवशेष से बनी है।

गृह कार्य:-

प्रo! - मिट्टी कितने प्रकार की होती है ?

Effective teaching
confident
done
P.T was fully
H. work was

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

Lesson No : 3

Date 18

Pupil Teacher's Name Supriya

Class VIIth

Subject सामाजिक अध्ययन

Duration of the period 30 Min.

Pupil Teacher's Roll No. 1172

Average Age of the pupils 12 Years

Topic पशुओं पर निर्भर उद्योग

• अनुदेशनात्मक उद्देश्य •

ज्ञानात्मक उद्देश्य:-

① छात्र पशुओं पर निर्भर उद्योगों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

② छात्र पशुओं पर निर्भर उद्योगों की व्याख्या करने में निपुण हो सकेंगे।

बोधात्मक उद्देश्य :-

① छात्र पशुओं पर निर्भर उद्योगों को उदाहरण सहित समझ सकेंगे।

② छात्र पशुओं पर निर्भर उद्योगों की पहचान करने निपुण हो सकेंगे।

प्रयोगात्मक उद्देश्य :-

① छात्र पशुओं पर निर्भर उद्योगों का प्रयोग अपने दैनिक जीवन में कर सकेंगे।

② छात्र पशुओं पर निर्भर उद्योगों के प्रति रुचि पैदा करने में सक्षम हो सकेंगे।

सामान्य शिक्षण सामग्री- चाक, झाड़न संकेतक चाकबोर्ड।

विशिष्ट शिक्षण सामग्री :- पशुओं पर निर्भर उद्योगों को दर्शाता हुआ चार्ट।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पूर्वज्ञान परीक्षण

छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्र० भारत में कौन कौन से मुख्य उद्योग है।	उ०- भारत में जूट, चीनी, कोयला, वस्त्र आदि उद्योग है।
प्र० इसके अतिरिक्त और कौन-कौन से उद्योग है।	उ० सीमेन्ट उद्योग, खनिज उद्योग, तेल, चमड़ा उद्योग, दुग्ध उद्योग,
प्र० भारत में मुख्य रूप से कौन-कौन से पशु पाये जाते है।	उ० गाय, भेड़, बकरी, भैंस, आदि पशु पाये जाते हैं।
प्र० इन पशुओं पर मुख्य रूप से कौन-कौन से पशु उद्योग है?	उ० अस्पष्ट उत्तर।

उपविषय की घोषणा :- बच्चों आज हम पशुओं पर निर्भर उद्योगों का अध्ययन करेंगें।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
प्रस्तुतीकरण –	भारत देश एक कृषि प्रधान देश है यहाँ अधिकांश जनसंख्या गावों में निवास करती है और खेती के साथ-साथ पशुपालन भी करते है। जैसे गाय, भैड़, भैंस बकरी घोड़ा, ऊट आदि का पालन किया जाता है भारत में मुख्य रूप से पशुओं पर निर्भर उद्योग निम्नलिखित है। 1 घी, दुध का उद्योग। 2 मांस उद्योग। 3 चमड़ा उद्योग। 4. ऊन उद्योग।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे है। छात्र ध्यान पूर्वक सुनकर कॉपी में लिख रहे है।	भारत एक कृषि प्रधान देश है अधिकांश जनसंख्या गावों में पायी जाती है 1) घी, दुध का उद्योग। चमड़ा उद्योग ऊन उद्योग
1) घी, दुध उद्योग –	भारत में दुधारु पशुओं का पालन किया जाता है जैसे गाय, भैंस बकरी, भैड़ आदि से दुध प्राप्त किया जाता है उससे घी प्राप्त किया जाता है हमारे देश में	छात्र कॉपी में लिख रहे है।	

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
	दूध, घी के अनेक उद्योग है जैसे मदर डेयरी पराग डेयरी रिलायन्स आदि प्रमुख है।	छात्र कॉपी मे लिख रहे है।	
माँस उद्योग:	भारत मे आधी से ज्यादा जनसंख्या शाकाहारी है, फिर भी हमारे देश मे माँस अन्य देशों की तुलना मे महगाँ है। क्योंकि हमारे देश मे पशुओं को माँस के लिए तैयार नहीं किया जाता है।	छात्र लिख रहे है-	मदर डेयरी पराग, बीच रिलायन्स प्रमुख है। अमेरिका इगलैण्ड आदि।
	पशुओं से हमें माँस भी प्राप्त होता है। माँस का प्रयोग मनुष्य पहले से ही खाने के रूप में करता आया है। अब कई जगह पशुओं से माँस प्राप्त किया जाता है और उसे उद्योगों के द्वारा निर्यात किया जाता है। जैसे- अमेरिका इगलैण्ड आदि।	छात्र कॉपी मे लिख रहे है।	

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
चमड़ा उद्योग:	चमड़ा उद्योग भारत का प्राचीन समय से ही प्रमुख उद्योग रहा है। चमड़े का उत्पादन सबसे अधिक होता है यह उत्पादन इसलिए अधिक है क्योंकि संसार के लगभग एक तिहाई पशु भारत में पाये जाते हैं अतः इसलिए देश में चमड़े का उत्पादन अधिक है। चमड़े से बेल्ट अटैची जूते आदि बनाये जाते हैं।	छात्र ध्यानपूर्वक लिख रहे हैं। छात्र कॉपी में लिख रहे हैं।	चमड़ा उद्योग भारत का प्राचीन उद्योग है। बेल्ट अटैची जूते चप्पल आदि।
ऊन उद्योग:	प्राचीन समय से यह उद्योग चला आ रहा है। ऊन इन कीड़ो से प्राप्त होती है। भारत में ऊन अच्छी किस्म की नहीं है अतः भारत को ऊन का निर्यात करना पड़ता है।	छात्र कॉपी में लिख रहे हैं।	ऊन भेड़ों से प्राप्त होता है भारत में ऊन की किस्म अच्छी नहीं है।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पुनरावृत्ति

छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्र० दुग्ध घी का उद्योग मुख्य रूप से किस पर निर्भर है?	उ० पशुओं पर।
प्र० चमड़ा उद्योग भारत का कैसा उद्योग है?	उ० चमड़ा उद्योग भारत का प्राचीन समय से प्रमुख उद्योग रहा है।
प्र० चमड़े से क्या-क्या सामान बनाये जाते हैं।	उ० चमड़े से बेल्ट, अटैची, बैग, जूते, चप्पल आदि सामान बनाये जाते हैं।
प्र० ऊन हमें किस पशु से प्राप्त होती है?	उ० भेड़ से।

गृहकार्य →

प्र० भारत के कौन-२ से प्रमुख पशु उद्योग हैं।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

Lesson No : 4

Date 19-12-12 | Duration of the period 30 Min

Pupil Teacher's Name Suprijya | Pupil Teacher's Roll No 1172

Class VIIth | Average Age of the pupils 13 Years

Subject सामाजिक अध्ययन | Topic बेरोजगारी का अर्थ व प्रकार

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

ज्ञानात्मक उद्देश्य:

① छात्र बेरोजगारी का अर्थ एवं प्रकारो का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
② छात्र बेरोजगारी का अर्थ व प्रकारो की व्याख्या करने में सक्षम हो सकेंगे।

बोधात्मक उद्देश्य:

① छात्र बेरोजगारी के अर्थ एवं प्रकार को उदाहरण सहित समझ सकेंगे।
② छात्र बेरोजगारी की पहचान करने में निपुण हो जाएंगे।

प्रयोगात्मक उद्देश्य:-

① छात्र बेरोजगारी के अर्थ एवं प्रकारों को समझकर अपने दैनिक जीवन में प्रयोग कर सकेंगे।
② छात्र बेरोजगार के अर्थ एवं प्रकारे के प्रति रुचि पैदा करने में सक्षम हो जाएंगे।

सामान्य शिक्षण सामग्री:-

चाक, झाड़न संकेतक, चाकबोर्ड।

विशिष्ट शिक्षण सामग्री:-

बेरोजगारी का अर्थ एवं प्रकारो को दर्शाता हुआ चार्ट।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पूर्वज्ञान परीक्षण

छात्र अध्यापक क्रियाएं	छात्र क्रियाएं
प्र:- मनुष्य को जीवन निर्वाह के लिए किन-किन चीजों की आवश्यकता पड़ती है ?	उ० रोटी कपड़ा और मकान।
प्र०- भोजन कपड़ा और मकान आदि की प्राप्ति किसके द्वारा होती है।	उ० भोजन कपड़ा और मकान हमें धन से प्राप्त होता है।
प्र०- धन किस प्रकार प्राप्त होता है	उ० धन कार्य करके (रोजगार) से प्राप्त हो जाता है।
प्र०- यदि कोई व्यक्ति योग्य है फिर भी उसे रोजगार नहीं मिलता तो उसे क्या कहेंगे	उ० असपष्ट उत्तर

उपविषय की घोषणा →

बच्चों आज हम बेरोजगारी का अर्थ व उनके प्रकारों का अध्ययन करेंगे।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
बेरोजगारी का अर्थ-	जनसंख्या के बढ़ने से बढ़ती जा रही है। बेरोजगारी से अभिप्राय उस स्थिति से है जबकि व्यक्ति काम करने की इच्छा प्रबल एवं योग्यता रखते हुए भी बेरोजगार रहते हैं। अतः बेरोजगारी वह दशा है जिसमें इच्छुक और कार्य करने में समर्थ व्यक्तियों को काम नहीं मिल पाता।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं। छात्र कॉपी में लिख रहे हैं।	जनसंख्या को बढ़ने से बेरोजगारी बढ़ रही है
बेरोजगारी के प्रकार-	बेरोजगारी के निम्न प्रकार हैं 1 ग्रामीण अल्प बेरोजगारी। 2 खुली बेरोजगारी। 3 चक्रीय बेरोजगारी। 4 तकनीकी बेरोजगारी।		(1) ग्रामीण अल्प बेरोजगारी (2) खुली बेरोजगारी (3) चक्रीय बेरोजगारी 4- तकनीकी
ग्रामीण अल्प बेरोजगारी –	ग्रामीण अल्प बेरोजगारी उसे कहते हैं जब वर्ष भर में लगभग तीन या चार महीने के लिए	छात्र लिख रहे हैं।	

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट कार्य
	ग्रामीण श्रम शक्ति का एक बड़ा भाग बेरोजगार रहता है। इसके अतिरिक्त कभी-2 बाढ़, सूखा, तूफान तथा दूसरे प्राकृतिक कारणों से भी ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी उत्पन्न हो जाती है। तो इसे ग्रामीण अल्प बेरोजगारी कहते हैं।	छात्र कॉपी में लिख रहे हैं।	यदि किसी अर्थव्यवस्था में प्रतिवर्ष इतनी वृद्धि न होती हो
खुली बेरोजगारी :->	यदि किसी अर्थव्यवस्था में प्रतिवर्ष इतनी वृद्धि न हो कि रोजगार चाहने वाले सभी व्यक्तियों को काम पर जुटाया जा सके तथा इस प्रकार काम के इच्छुक व्यक्तियों को बेरोजगार रहना पड़े तब यह स्थिति खुली बेरोजगारी कहलाती है।	छात्र कॉपी में लिख रहे हैं। छात्र लिख रहे हैं।	

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	श्याम पट्ट
चक्रीय बेरोजगारी :-	जब किसी देश में प्रभावपूर्ण माँग में कमी आ जाती है। इसके कारण कुछ उद्योगो में अल्पकाल के लिए उत्पादन कार्य रुक जाता है तथा आर्थिक मन्दी की स्थिति दिखायी देने लगती है कि इसे चक्रीय बेरोजगार कहते है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनकर कॉपी में लिख रहे है।	जब किसी देश में प्रभावपूर्ण मांग में कमी आ जाती है तो उसे चक्रीय बेरोजगारी कहते है
तकनीकी बेरोजगारी :-	तकनीकी बेरोजगारी उसे कहते है कि जब उत्पादन की नवीन मशीनो के प्रयोग के फलस्वरूप श्रमशक्ति की माँग घट जाती है तब यह स्थिति तकनीकी बेरोजगारी कहलाती है। अतः यह भी कहा जा सकता है कि जहाँ किसी कार्य को करने के लिए 100 आदमियो की आवश्यकता होती थी। वहाँ आज एक आद मशीन द्वारा कार्य पूरा कर लेता है।	छात्र कॉपी में लिख रहे है। छात्र लिख रहे है।	जब उत्पादन की नवीन मशीनों के प्रयोग के फलस्वरूप श्रम शक्ति की मांग घट जाती है

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

(पुनरावृत्ति)

छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्र०:- बेरोजगारी क्यो बढ़ती है?	उ०:- जनसंख्या के बढ़ने से बढ़ती जा रही है।
प्र०:- बेरोजगार व्यक्ति किसे कहते है?	उ०:- जब कीसी व्यक्ति को का[म] या रोजगार नही मिलता [तो] उसे बेरोजगार व्यक्ति कहते [हैं]
प्र०:- जब व्यक्ति को कम समय के लिए काम मिलता है तो वह किस प्रकार की बेरोजगारी है?	उ०:- अल्प बेरोजगारी।
प्र०:- मशीनो आदि के प्रयोग से क्या हुआ?	उ०:- बेरोजगारी बढ़ी है।

गृहकार्य :-

प्र०:- बेरोजगारी किसे कहते हैं? इसके प्रमुख कारण बताइए।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

Lesson No : 5

Date 21-1-12 | Duration of the period 35 Min.
Pupil Teacher's Name Supriya | Pupil Teacher's Roll No. 1172
Class VIIIth | Average Age of the pupils 14 Years
Subject सामाजिक अध्ययन | Topic बेरोजगारी को दूर करने के उपाय

अनुदेशात्मक उद्देश्य

ज्ञानात्मक उद्देश्य :->

1-> छात्र बेरोजगारी को दूर करने के उपायो का ज्ञान प्राप्त कर सकेगें।

2-> छात्र बेरोजगारी को दूर करने के उपायो की व्याख्या करने में सक्षम हो जायेगें।

बोधात्मक उद्देश्य :->

1-> छात्र बेरोजगारी को दूर करने के उपायो को उदाहरण सहित समझ सकेगें।

2-> छात्र बेरोजगारी को दूर करने के उपायो को पहचान करने में सक्षम हो जायेगें।

प्रयोगात्मक उद्देश्य :->

1-> छात्र बेरोजगारी को दूर करने के उपाय का प्रयोग अपने दैनिक जीवन में कर सकेगें।

2-> छात्र बेरोजगारी दूर करने के प्रति रूचि पैदा करने में निपुण हो जायेगे।

सामान्य शिक्षण सामग्री :-> चाक, झाडन, संकेतक, चाकबोर्ड।

विशिष्ट शिक्षण सामग्री :-> बेरोजगारी के उपायो को दर्शाता हुआ चार्ट

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

< पूर्वज्ञान परीक्षण >

छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्र० > जनसंख्या वृद्धि का रोजगार पर क्या प्रभाव पड़ता है?	उ० > जनसंख्या वृद्धि से बेरोजगारी बढ़ती है।
प्र० > यदि किसी व्यक्ति को कार्य करने की इच्छा होते हुए भी उसे कार्य न मिल सके तो उसे क्या कहेंगे?	उ० > बेरोजगारी।
प्र० > बेरोजगारी को कैसे दूर किया जा सकता है उपाय बताइए?	उ० > अस्पष्ट उत्तर

उपविषय की घोषणा > बच्चो आज हम बेरोजगारी को दूर करने के उपायों का अध्ययन करेंगे

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	श्याम पट्ट
प्रस्तावना →	जैसे कहा जाता है कि जनसंख्या वृद्धि बेरोजगारी को जन्म देती है। लेकिन कहीं ना कहीं आधुनिक शिक्षा भी जैसे मशीनों का अत्यधिक प्रयोग भी बेरोजगारी का महत्वपूर्ण कारण है। बेरोजगारी को दूर करने के निम्न उपाय है।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे है। छात्र कॉपी में लिख रहे है।	जनसंख्या वृद्धि बेरोजगारी को जन्म देती है
	1. जन संख्या वृद्धि पर नियंत्रण। 2. कुटीर एवं लघु उद्योगो का विकास। 3. रोजगारोन्मुख शिक्षा की व्यवस्था। 4. विनियोग की दर में वृद्धि। 5. सामाजिक परिवर्तन। 6. औद्योगिक विकास। 7. शिक्षा प्रणाली में परिवर्तन।	छात्र लिख रहे है	भारत में जनसंख्या वृद्धि की वार्षिक दर 2.5% है

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
जनसंख्या वृद्धि नियंत्रण –	भारत में जनसंख्या वृद्धि की वार्षिक दर 2.5% है यदि देश में जनसंख्या इस गति से बढ़ती गयी तो बेरोजगारी को नहीं रोका जा सकता है।	छात्र लिख रहे हैं।	कुटीर एवं लघु उद्योगों का विकास पशु पालन मुर्गी पालन दुग्ध पालन आदि।
कुटीर एवं लघु उद्योग का विकास →	ग्रामीण क्षेत्रों में कुटीर ग्रामीण और लघु उद्योगों का विकास तीव्रता से होना चाहिए। क्योंकि इनमें रोजगार प्रदान करने की क्षमता बहुत अधिक है।	छात्र लिख रहे हैं।	
	इसी प्रकार पशु पालन दुग्ध व्यवसाय मुर्गी पालन मत्स्य पालन आदि कृषि सहायक उद्योगों का विकास किया जा सकता है।	छात्र लिख रहे हैं।	मत्स्य पालन आदि शिक्षा प्रणाली व्यवसायोन्मुख न होकर सिद्धान्त प्रधान है

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
रोजगार उन्मुख शिक्षा की व्यवस्था—	स्वतन्त्रता प्राप्ति के पश्चात शिक्षा का विकास और विस्तार अधिक तेजी से हुआ है जिससे शिक्षित वर्ग में बेरोजगारी को बढ़ावा मिला है। हमारी शिक्षा प्रणाली व्यवसाय उन्मुख न होकर सिद्धान्त प्रधान है।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं छात्र कॉपी में लिख रहे हैं	विनियोग की दर में वृद्धि बचतों से पूंजी निवेश को बढ़ावा मिलता है।
विनियोग की दर में वृद्धि—	बचतों से पूंजी निवेश को बढ़ावा मिलता है। पूंजी निर्माण में वृद्धि से देश में कृषि और उद्योगों में विनियोग की मात्रा बढ़ती है। इस तरह रोजगार में वृद्धि होती है।	छात्र लिख रहे हैं	आय का पुनः वैज्ञानिक प्रयोग

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पुनरावृत्ति

छात्र अध्यापक क्रियाएं	छात्र क्रियाएं
प्र०- हमारी शिक्षा किस प्रकार की होनी चाहिए?	उ०- हमारी शिक्षा रोजगारोन्मुख होना चाहिए।
प्र०- बचत क्यों आवश्यक है?	उ०- बचतों से पूंजी निर्माण को बढ़ावा मिलता है
प्र. बेरोजगारी दूर करने के दो उपायों को बताइए?	उ०- (1) जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण (2) कुटीर एवं लघु उद्योगों का विकास।
प्र०- भारत में जनसंख्या वृद्धि का वार्षिक दर क्या है?	उ०- 2.5%

गृहकार्य—

प्र! — बेरोजगारी दूर करने के क्या-2 उपाय हैं?

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

Lesson No : 6

Date: 21-1-12 | Duration of the period: 30 Min.

Pupil Teacher's Name: Supriya | Pupil Teacher's Roll No.: 1172

Class: VIth | Average Age of the pupils: 12 Years

Subject: सामाजिक अध्ययन | Topic: जनसंख्या वृद्धि के कारण

अनुदेशनात्मक उद्देश्य:

ज्ञानात्मक उद्देश्य :-

(1) छात्र जनसंख्या वृद्धि के कारणों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

(2) छात्र जनसंख्या वृद्धि के कारणों की व्याख्या करने में सक्षम हो जायेंगे।

बोधात्मक उद्देश्य :-

(1) छात्र जनसंख्या वृद्धि के कारणों को उदाहरण सहित समझ सकेंगे।

(2) छात्र जनसंख्या वृद्धि के कारणों की पहचान करने में सक्षम हो जायेंगे।

प्रयोगात्मक उद्देश्य :-

(1) छात्र जनसंख्या वृद्धि के कारणों को समझकर अपने दैनिक जीवन में प्रयोग कर सकेंगे।

(2) छात्र जनसंख्या वृद्धि के कारणों को दूर करने के प्रति रुचि पैदा करने में निपुण हो जायेंगे।

सामान्य शिक्षण सामाग्री: चॉक, डस्टर, संकेतक, चॉकबोर्ड।

विशिष्ट शिक्षण सामाग्री: जनसंख्या वृद्धि के कारणों को दर्शाता हुआ चार्ट।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पूर्वज्ञान परीक्षण

छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्र- देश में गरीबी का क्या कारण है?	उ०- देश में गरीबी का कारण जनसंख्या का बढ़ना है।
प्र०- देश में जनसंख्या बढ़ने से क्या बढ़ता है?	उ०- जनसंख्या बढ़ने से बेरोजगारी बढ़ती है।
प्र० हमारे देश में जन्म दर एवं मृत्यु दर कितनी है?	उ० हमारे देश में अनुमानित जन्मदर 33 प्रति हजार तथा मृत्यु दर 126 प्रति हजार है।
प्र- जन संख्या वृद्धि के क्या कारण है?	उ०- अस्पष्ट उत्तर।

उपविषय की घोषणा-

आज हम जनसंख्या में तीव्र गति से वृद्धि के कारणों का अध्ययन करेंगे।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	श्यामपट्ट
जनसंख्या वृद्धि के के कारण	जनसंख्या वृद्धि के निम्न कारण है-	छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे है।	कम आयु में विवाह ① जन्म दर एवं मृत्यु दर ③ विवाह की अनिवार्यता।
①	कम आयु में विवाह।		
②	जन्म दर एवं मृत्यु दर।		
③	जलवायु की उष्णता।		
④	विवाह की अनिवार्यता।		
⑤	सामाजिक एवं धार्मिक अन्धविश्वास।		
⑥	शरणार्थियो का आगमन		
⑦	जनता का निम्न स्तर		
⑧	संचायी जीवन का अभाव।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनकर कापी में लिख रहे है	
⑨	समाज में धन का असमान वितरण।		
⑩	अप्रवास और उत्प्रवास		
1-> कम आयु में विवाह ->	कम आयु में विवाह भी एक कारण है जो जनसंख्या को बढ़ाता है और जबकि हमारे देश में लड़के और लड़कियो की शादी करने की न्यूनतम उम्र कमश:, २१	छात्र कापी में लिख रहे है।	कम आयु में विवाह भी एक कारण है जो जनसंख्या को बढ़ाता है।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
	वर्ष व लड़कियो के लिए 18 वर्ष है। भारत में 60% लड़कियो का विवाह 15 से 20 वर्ष की आयु के बीच हो जाता है। अतः बाल विवाह अधिक सन्तानोत्पत्ति को प्रोत्साहित करता है।	छात्र लिख रहे है।	भारत में 60% लड़कियों का विवाह 15 से 20 वर्ष की आयु में हो जाता है
जन्मदर एवं मृत्युदर :-	भारत मे जन्मदर 33 प्रति हजार तथा मृत्युदर 126 प्रति है। इस प्रकार जनसंख्या में वृद्धि दर 20.2 प्रति हजार है। अन्य देशो की तुलना में भारत में यह दर अत्यधिक ऊँची है। जिससे हमारे देश में जनसंख्या में तीव्र गति से वृद्धि हो रही है।	छात्र कॉपी में लिख रहे है।	भारत में विवाह एक अनिवार्य धार्मिक कृत्य बन गया है
विवाह की अनिवार्यता :-	हमारे देश में विवाह एक अनिवार्य धार्मिक कृत्य बन गया है। विवाह की अनिवार्यता	छात्र लिख रहे है।	

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
	प्रत्यक्ष रूप से जनसंख्या में वृद्धि लाती है। हमारे देश में सन्तान को ईश्वर, अल्लाह की देन मानते हैं।	छात्र ध्यानपूर्वक कॉपी में लिख रहे हैं।	
परिवार नियोजन के प्रति अज्ञानता	लोगो में परिवार नियोजन के उपायो के प्रति संकोच, लज्जा निराधार शंकाये आदि पनप रही है। जिससे परिवार नियोजन सफल नही हो पा रहा है। अतः जनसंख्या निरन्तर बढ़ती जा रही है।	छात्र लिख रहे है।	परिवार नियोजन के प्रति लोगों में संकोच लज्जा निराधार शंकाये आदि पनप रही है
सामाजिक एवं धार्मिक अन्धविश्वास	आज भी हमारा समाज अशिक्षित है क्योंकि वह आज भी रूढ़िवादी, अन्धविश्वासो में विश्वास करता है। जिससे अलग-2 धर्मो के लोग इसे निषेद कहते है।	छात्र लिख रहे है।	

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पुनरावृत्ति

छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्र० देश में जनसंख्या बढ़ने से क्या बढ़ता है?	उ०:- बेरोजगारी।
प्र०:- भारत में कानूनी तौर पर लड़के व लड़कियों की विवाह की आयु कितनी है?	उ०:- लड़के की 21 वर्ष तथा लड़की की 18 वर्ष है।
प्र०. हमारे देश में विवाह ऐच्छिक है या अनिवार्य है?	उ०:- अधिकांश जाति में विवाह अनिवार्य है।

गृहकार्य:-

प्र०:- जनसंख्या वृद्धि के कारण है?

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

Lesson No : 7

Date: 23-1-12 Duration of the period: 30 Min

Pupil Teacher's Name: Supriya Pupil Teacher's Roll No: 1172

Class: VI th Average Age of the pupils: 12 Years

Subject: सामाजिक अध्ययन Topic: जनसंख्या वृद्धि को रोकने के उपाय

{ अनुदेशनात्मक उद्देश्य }

ज्ञानात्मक उद्देश्य :-

① छात्र जनसंख्या वृद्धि को रोकने के उपायो का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

② छात्र जनसंख्या वृद्धि को रोकने के उपायो की व्याख्या करने मे सक्षम हो जायेंगे।

बोधात्मक उद्देश्य :-

① छात्र जनसंख्या वृद्धि को रोकने के उपायो को उदाहरण सहित समझ सकेगे।

② छात्र जनसंख्या वृद्धि को रोकने के उपायो की पहचान करने में निपुण हो सकेगें।

प्रयोगात्मक उद्देश्य :-

① छात्र जनसंख्या वृद्धि के उपायो को रोकने व समझकर अपने दैनिक जीवन में प्रयोग कर सकेगें।

② छात्र जनसंख्या वृद्धि को रोकने के उपायो के प्रति रुची पैदा करने मे निपुण हो जायेगें।

सामान्य शिक्षण सामग्री :-

चाक, झाड़न, संकेतक, चाकबोर्ड।

विशिष्ट शिक्षण सामग्री :-

जनसंख्या वृद्धि को रोकने के उपायो का दर्शाता हुआ चार्ट।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

(पूर्वज्ञान परीक्षण)

छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्र०- हमारे देश में गरीबी का क्या कारण है?	उ० हमारे देश में जनसंख्या का बढ़ना ही गरीबी का मुख्य कारण है।
प्र०:- जनसंख्या वृद्धि से क्या होता है?	उ०- जनसंख्या वृद्धि से बेरोजगारी फैलती है।
प्र०:- अधिक जनसंख्या का क्या प्रभाव पड़ता है?	उ०- प्रति व्यक्ति आय में कमी होती है।
प्र०:- जनसंख्या वृद्धि को रोकने के क्या उपाय है?	उ०:- अस्पष्ट उत्तर।

उपविषय की घोषणा :- बच्चो आज हम जनसंख्या वृद्धि को रोकने के उपायो का अध्ययन करेगे।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	श्यामपट्ट
जनसंख्या वृद्धि को रोकने के उपाय :-	जनसंख्या वृद्धि को रोकने के निम्न उपाय है - 1- शिक्षा का विस्तार और स्त्री शिक्षा पर विशेष बल 2- विवाह सम्बन्धी कानूनो का सख्ती से पालन। 3- मनोरंजन के साधनो मे वृद्धि। 4- आत्म संयम नैतिक शिक्षा का प्रसार। 5- गांव मे परिवार नियोजन की सुविधायें।	छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे हैं। छात्र कापी मे लिख रहे है	जन संख्या वृद्धि रोकने के उपाय - स्त्री शिक्षा पर बल विवाह सम्बन्धी कानून का पालन गांवों में परिवार नियोजन की सुविधाए
स्त्री शिक्षा पर विशेष बल →	शिक्षित व्यक्ति बाल-विवाह व पर्दा-प्रथा जैसे दोषपूर्ण सामाजिक कुरीतियों को दूर करके ऊँचे स्तर को पाने की चेष्टा मे परिवार नियोजन को महत्व देंगे। अतः स्त्रियों को परिवार नियोजन के विभिन्न तरीके बताये जाये। जिससे जनसंख्या वृद्धि	छात्र लिख रहे है।	बाल विवाह व पर्दा प्रथा जैसे सामाजिक कुरीतियों को दूर करके

UNITED SCHOLARS SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्याम पट्ट
	पर नियंत्रण किया जा सके तथा स्त्रियो की शिक्षा कार्यक्रम चलाने चाहिए।	छात्र ध्यानपूर्वक लिख रहे हैं	
विवाह सम्बन्धी कानूनो का सख्ती से पालन:-	न्यूनतम आयु से कम आयु में विवाह करने पर सरकार को दण्ड की व्यवस्था करनी चाहिए। अतः जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण के लिए विवाह सम्बन्धी कानूनो का सख्ती से पालन करना चाहिए।	छात्र कॉपी में लिख रहे हैं।	न्यूनतम आयु से कम आयु में विवाह करने पर सरकार को दण्ड की व्यवस्था करनी चाहिए
मनोरंजन के साधन:-	मनोरंजन के साधनो में वृद्धि की जानी चाहिए तथा स्त्रियो व पुरुषो के लिए तरह-2 के कार्यक्रम दिखाये जाने चाहिए। जैसे- सिनेमा, रेडियो,	छात्र लिख रहे हैं।	सिनेमा, रेडियो टी०वी० और चलचित्रों आदि के द्वारा जागृति लानी चाहिए

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	श्याम पट्ट
नैतिक शिक्षा का प्रसार :-	नैतिक शिक्षा के प्रसार से अभिप्राय है कि सभी लोगो मे नैतिक शिक्षा के नियमो का समावेश करे जिससे वे जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण रख सके।	छात्र कॉपी में लिख रहे है	लोगो में नैतिक शिक्षा के नियमों का समावेश करे
परिवार नियोजन की सुविधाये :-	परिवार को जानबूझ कर अपनी इच्छानुसार सीमित करना ही परिवार नियोजन है। परिवार नियोजन के द्वारा जनसंख्या वृद्धि पर अत्याधिक नियन्त्रण हो सकता है। जैसे- हम दो हमारा एक।	छात्र लिख रहे है। छात्र लिख रहे है।	
लोगों में जनसंख्या वृद्धि के प्रति जागरूकता पैदा करना :-	लोगों को विभिन्न कार्यक्रमो द्वारा तथा इसके प्रति रूची पैदा करना और लोगों को शिक्षित करना।		कम आयु मे विवाह न करना एक या दो से अधिक बच्चे पैदा न करना

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पुनरावृत्ति

छात्र अध्यापक क्रियाएं	छात्र क्रियाएं
प्र- कानूनी तौर पर बाल-विवाह करना क्या है?	उ. बाल-विवाह कानूनी जुर्म है।
प्र- परिवार नियोजन कार्यक्रम के तहत लोगो में जागरूकता लाने के लिए किन-किन साधनों का प्रयोग करना चाहिए?	उ. सिनेमा, रेडियो, टी०वी० और चलचित्र के माध्यम से लोगों को जागरूक कर सकती है।
प्र- जनसंख्या वृद्धि रोकने के किन्हीं दो उपाए बताइए?	उ० (1) स्त्री शिक्षा पर बल। (2) परिवार नियोजन की सुविधाएं।

गृहकार्य :-

प्र:- जनसंख्या वृद्धि को रोकने के उपाय बताइए।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

Lesson No : 8

Date 24-1-12 | Duration of the period 30 Min.
Pupil Teacher's Name Supriya | Pupil Teacher's Roll No. 1172
Class VIIth | Average Age of the pupils 13 Years
Subject सामाजिक अध्ययन | Topic मशीनों के लाभ तथा हानियाँ

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

ज्ञानात्मक उद्देश्य:
(1) छात्र मशीनों के लाभ तथा हानियों के बारे में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगें।
(2) छात्र मशीनों के लाभ तथा हानियों की व्याख्या करने में सक्षम हो जायेंगे।

बोधात्मक उद्देश्य:-
(1) छात्र मशीनों के लाभ तथा हानियों के विषय को उदाहरण सहित समझने सक्षम हो जायेंगे।
(2) छात्र मशीनों के लाभ तथा हानियों की पहचान करने में निपुण हो सकेंगें।

प्रयोगात्मक उद्देश्य:-
(1) छात्र मशीनों के लाभ तथा हानियों को समझ कर अपने दैनिक जीवन में प्रयोग कर सकेंगें।
(2) छात्र मशीनों के लाभ तथा हानियों के प्रति रुचि पैदा करने सक्षम निपुण हो जायेंगें।

सामान्य शिक्षण सामग्री
चॉक, डस्टर, संकेतक, चाकबोर्ड।

विशिष्ट शिक्षण सामग्री:-
मशीनों के लाभ तथा हानियों को दर्शाता हुआ चार्ट।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पूर्वज्ञान परीक्षण

छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्र. गर्मी में राहत पाने के लिए हम क्या-क्या प्रयोग करते हैं?	उ. गर्मी में राहत पाने के लिए हम पंखा कूलर आदि का प्रयोग करते हैं
प्र. हमारे दैनिक जीवन में कौन-कौन सी मशीनें काम आती हैं?	उ. प्रैस, स्कूटर, सिलाईमशीन आदि।
प्र. आज कल हम अपने कार्य किससे करते हैं?	उ. मशीनों से।
प्र. मशीनों से क्या-क्या लाभ तथा हानियाँ हैं?	उ. अस्पष्ट उत्तर।

उपविषय की घोषणा- बच्चों आज हम आपको मशीनों के लाभ व हानियों के विषय में पढ़ायेंगे।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
प्रस्तुतीकरण –	आधुनिक युग में हमारे जीवन में मशीनों का प्रयोग प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं	हमारे जीवन में मशीनों का प्रयोग प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है
मशीनों के लाभ – 1- कठिन व भारी कार्यों में सहायक	कितने ही कार्य ऐसे है जो अत्यन्त कठिन व जोखिमपूर्ण होते है तथा जिन्हें व्यक्ति केवल अपने निजि श्रम द्वारा आसानी से पूर्ण नहीं कर सकता। मशीनों द्वारा अब ये कार्य बहुत सरलता एवं सुगमता से सम्पन्न किये जाने लगे है। जैसे – रेल के डिब्बों व जहाजों पर से बहुत ही भारी समान थोड़ी सी देर में क्रेन द्वारा उतार जाता है।	छात्र लिख रहे हैं / छात्र लिख रहे है।	रेल डिब्बों व जहाजों में क्रेन द्वारा सामान उतारना मशीनों द्वारा ही होता है

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	श्यामपट्ट
बड़े पैमाने पर उत्पादन –	मशीनों द्वारा उत्पादन अधिक मात्रा में तथा अधिक तेजी से किया जाता है।	छात्र कॉपी में लिख रहे।	
उत्पादन लागत कम होना –	मशीनों के प्रयोग से कम समय में अधिक वस्तुएँ बन जाती हैं जिससे लागत कम आती है। उपभोगताओं को वस्तुएँ सस्ते मूल्य पर मिलने के कारण उनका रहन-सहन का स्तर उच्च हो जाता है।	छात्र लिख रहे हैं छात्र कॉपी में लिख रहे हैं।	अब वह उसे मशीनों की सहायता से मिनटों में ही कर डालता है जैसे - प्रिंट कपड़े बुनना आदि।
रोजगार में वृद्धि —	मशीनों के प्रयोग से देश का औद्योगीकरण होता है जिससे अधिकतर लोगों को रोजगार मिलता है		

UNITED SCHOLAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
मशीनों से हानियाँ	मशीनों से निम्न हानियाँ होती हैं जैसे-	छात्र ध्यान पूर्वक लिख रहे है।	मशीनों से निम्न हानियाँ होती हैं जैसे
बेरोजगारी का भय —	कभी-कभी एक मशीन 15-20 श्रमिकों के बराबर कार्य करता है जैसे-जैसे मशीनों का उपयोग बढ़ता जाता है। वैसे ही श्रमिकों में बेरोजगारी फैलती है।		कभी-कभी एक मशीन 15-20 श्रमिकों के बराबर कार्य करता है।
अति उत्पादन का भय —	मशीनों द्वारा माँग से अधिक उत्पादन होने पर बाजार में पर्याप्त मात्रा में माल पड़ा रहता है फलतः कुछ कारखाने बन्द हो जाते हैं।	छात्र लिख रहे है।	मशीनों द्वारा माँग से अधिक उत्पादन होने पर बाजार में पर्याप्त मात्रा में माल पड़ा रहता है।
कुटीर उद्योगों का पतन —	मशीनों के प्रयोग से बड़े-बड़े कारखानों में सस्ती और सुन्दर वस्तुओं का निर्माण होता है।	छात्र लिख रहे है।	

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पुनरावृत्ति

छात्र अध्यापक क्रियाएं	छात्र क्रियाएं
प्र॰ जहाज, रेल, ट्रक आदि में भारी सामान किससे लदवाते हैं?	उ॰ क्रेन (मशीन) से।
प्र॰ घड़ी के छोटे-छोटे पुर्जे हाथ से क्यों नहीं बनाये जा सकते हैं?	उ॰ क्योंकि घड़ी के पुर्जे अत्यन्त बारीक एवं नाजुक होते हैं।
प्र॰ हजारों अखबार प्रतिदिन थोड़े से समय में किस प्रकार छप जाते हैं?	उ॰ मशीनों द्वारा।
प्र॰ इस प्रकार मशीनों से क्या भय बना रहता है?	उ॰ बेरोजगारी का भय।

गृहकार्य

प्र॰— मशीनों के लाभ तथा हानियों के बारे में लिखिए।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

Lesson No : 9

Date: 27-1-12 | Duration of the period: 30 Min.

Pupil Teacher's Name: Supriya | Pupil Teacher's Roll No.: 1172

Class: VII | Average Age of the pupils: 12 Years

Subject: सामाजिक अध्ययन | Topic: पशुपालन का महत्व

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

ज्ञानात्मक उद्देश्य -

① छात्र पशुपालन के महत्व का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

② छात्र पशुपालन के महत्व की व्याख्या करने में सक्षम हो जायेंगे।

बोधात्मक उद्देश्य -

① छात्र पशुपालन के महत्व को उदाहरण सहित समझने में सक्षम हो जायेंगे।

② छात्र पशुपालन के महत्व की पहचान करने में निपुण हो जायेंगे।

प्रयोगात्मक उद्देश्य :-

① छात्र पशुपालन के महत्व को समझकर अपने दैनिक जीवन में प्रयोग कर सकेंगे।

② छात्र पशुपालन के महत्व के प्रति रुचि पैदा करने में निपुण हो सकेंगे।

सामान्य शिक्षण सामग्री :-

चाक, झाड़न, संकेतक, चार्कबोर्ड।

विशिष्ट शिक्षण सामग्री :-

पशुपालन के महत्व को दर्शाता हुआ चार्ट।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

(पूर्वज्ञान परीक्षण)

छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्र०- हमें दूध व घी किससे प्राप्त होता है?	उ०- पशुओं से जैसे - गाय, भैंस, बकरी आदि।
प्र०- खेत जोतने के लिए हल कौन खींचता है?	उ०- बैल, भैंसा आदि।
प्र०- भारी सामान से लदे ठेलों को कौन खींचता है?	उ०- ठेलों को पशु खींचते हैं।
प्र०- पशुओं के महत्व के बारे में बताइए?	उ०- अस्पष्ट उत्तर।

उपविषय की घोषणा :-

बच्चो आज हम पशुओं के के महत्व के बारे में अध्ययन करेंगे।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	श्यामपट्ट
प्रस्तुतीकरण :-	भारत देश एक कृषि प्रधान देश है। अतः कृषि कार्य करने के लिए पशुओ की आवश्यकता होती है। पशुओ का हमारे जीवन मे निम्न महत्व है -	छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे है।	भारत एक कृषि प्रधान देश है। पशुओ का हमारे जीवन में बहुत महत्व है
(1) कृषि कार्य के महत्व :-	कृषि कार्य के उत्पादन में पशुओ का अत्यधिक योगदान है। खेत जोतने, खेत की बुवाई करने अनाज को भूसे से पृथक करने व फसल तक मण्डी में ले जाने पर सिंचाई करने मे पशु उपयोगी है। खेत मे पशुओ का योगदान 15% से 42% है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनकर कापी मे लिख रहे है	कृषि कार्य का महत्व खाद्य की उपलब्धि आदि।
खाद्य की उपलब्धि -	भारत में प्रतिवर्ष ताजे गोबर का उत्पादन 100 करोड़ टन है। जिसका आर्थिक मूल्य 100 करोड़ रु० के लगभग है	छात्र कॉपी में लिख रहे है,	

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	श्यामपट्ट
आहार के रूप मे महत्व ->	पशुओ से हमे आहार के दूध, घी आदि प्राप्त होता है। अनुमान है कि हमे प्रतिवर्ष न.500 करोड़ रु० मूल्य दूध से निर्मित वस्तुएं प्राप्त होती है।	छात्र कॉपी मे लिख रहे है।	पशुओ से हमे आहार प्राप्त होता है जैसे घी, दूध, मांस आदि। परिवहन के साधनों के रूप
परिवहन के साधन के रूप ->	परिवहन के रूप में भी पशुओं का प्रयोग किया जाता है। जैसे- घोड़ा, ऊँट, भैंसा आदि पशुओं से परिवहन सम्बन्धी कार्य होता है।	छात्र सुन रहे है।	चमड़े और हड्डियों की प्राप्ति।
चमड़े और हड्डियों की प्राप्ति ->	पशु चर्म या खाले भी देशों की आय का महत्वपूर्ण स्रोत है। पशुचर्म व खाल भारत में 32% उत्पादन है।	छात्र ध्यानपूर्वक कॉपी मे लिख रहे है।	

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	श्यामपट्ट
मनोरंजन के साधन ->	पशु हमारे मनोरंजन का भी महत्वपूर्ण साधन है। कुछ लोग हिरन, बिल्ली, कुत्ते आदि पशुओं को लोग मनोरंजन के लिए मानते है। चिड़िया घर में भी घूमने-फिरने से व्यक्तियों का मनोरंजन होता है।	छात्र ध्यानपूर्वक लिख रहे है। छात्र कॉपी लिख रहे है।	पशु हमारे मनोरंजन का महत्वपूर्ण साधन है।
पशु उद्योगों के लिए महत्वपूर्ण:-	पशु उद्योग के लिए भी महत्वपूर्ण है। क्योंकि पशुओं पर उद्योग जैसे- चमड़ा उद्योग, दूध व घी उद्योग, ऊन उद्योग आदि प्रमुख है। इसलिए पशुपालन का अत्याधिक महत्व है, इससे हमारे देश को आर्थिक लाभ होता है। तथा रोजगार भी मिलता है।	छात्र लिख रहे है	पशु उद्योगों के लिए भी महत्वपूर्ण है जैसे चमड़ा, घी दुग्ध उद्योग

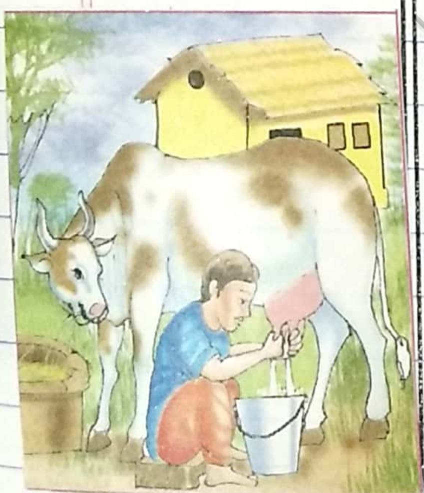

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

~ पुनरावृत्ति ~

छात्र अध्यापक क्रियाएं	छात्र क्रियाएँ
प्र॰:- हमे दूध कौन-२ पशुओ से प्राप्त होता है?	उ॰- गाय, भैंस, बकरी आदि से।
प्र॰- कम्पोस्ट खाद्य किस प्रकार बनायी है?	उ॰- पशुओ के मलमूत्र को सड़ाकर कम्पोस्ट खाद्य तैयार की जा
प्र॰:- चमड़ा हमें कहां से प्राप्त होता है?	उ॰- मृत पशुओ से।
प्र॰:- चिड़िया घर में हम पशु-पक्षीयो को देखकर क्या करते है?	उ॰- अपना मनोरंजन करते है।

गृहकार्य :-

प्र॰:- पशुपालन क्या है? इसका क्या महत्व है?

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

Lesson No :...1...

Date 28-1-12

Duration of the period 30 मिनट

Pupil Teacher's Name Supriya

Pupil Teacher's Roll No. 1172

Class VIII th

Average Age of the pupils 14 years

Subject सामाजिक अध्ययन

Topic सौर मण्डल

(अनुदेशनात्मक)

ज्ञानात्मक उद्देश्य →

(1) बच्चों को सौर मण्डल के विषय में ज्ञान प्राप्त कराना।

(2) बच्चों को सौर मण्डल की परिभाषा देना।

बोधात्मक उद्देश्य →

(1) छात्रों का सौर मण्डल का वर्गीकरण करके समझाना।

(2) छात्रों को ग्रह, तारो के अध्ययन द्वारा समझाना।

प्रयोगात्मक उद्देश्य :

(1) छात्रों को अनेक ग्रह, उपग्रह, क्षुद्र ग्रह आदि के बारे में व्याख्या करके समझाना।

(2) छात्रों को ग्रह तथा उपग्रह का तुलनात्मक अध्ययन कराना।

सामान्य शिक्षण सामग्री :- चाक, झाड़न, चाकबोर्ड।

विशिष्ट शिक्षण सामग्री :- सौर मण्डल को दर्शाता हुआ माडल चार्ट।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पूर्वज्ञान परीक्षण

छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्र०. बच्चो हम किस ग्रह पर रहते है?	उ०:- पृथ्वी पर।
प्र०:- पृथ्वी के ऊपरी उपग्रह का नाम बताओ?	उ०:- चन्द्रमा।
प्र०:- सौर मण्डल में कितने ग्रह है?	उ०:- आठ ग्रह है।
प्र०:- सौर मण्डल के विषय में आप क्या जानते है?	उ०:- अस्पष्ट उत्तर।

उपविषय की घोषणा :- बच्चो आज हम आपको सौर मण्डल के विषय के बारे में विस्तार पूर्वक समझायेगें।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	श्याम पट्ट
सौर मण्डल –	सूर्य तथा आठ ग्रह और कुछ अन्य खगोलीय पिण्ड मिलकर सौरमण्डल का निर्माण करते है। इसे सौर परिवार कहते है। सौर्य मण्डल मे निम्न ग्रह होते है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुन व लिख रहे है।	सूर्य तथा आठ ग्रह और कुछ अन्य खगोलिय पिण्ड मिलकर सौर मण्डल का निर्माण करते है
सूर्य –	सौर मण्डल के केन्द्र मे सूर्य स्थित है। वह बहुत बड़ा व गर्म गैसो से मिलकर बना है। इसका खिचाव बल इसे सौर मण्डल से बांधे रखता है। सूर्य व सौरमण्डल के लिए प्रकाश तथा ऊष्मा एक मात्र स्त्रोत है। परन्तु हम इसकी अत्याधिक गर्मी को महसूस नही करते। क्योकि सूर्य पृथ्वी से 15 करोड़ किमी. दूर है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनकर कॉपी मे लिख रहे है। छात्र लिख रहे है।	सौर मण्डल के केन्द्र में सूर्य स्थित है। सूर्य पृथ्वी से लगभग 15 करोड़ कि०मी० है।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
ग्रह :-	हमारे सौर मण्डल में आठ ग्रह है। सूर्य से दूरी के आधार पर वे है। बुध, शुक्र, पृथ्वी, मंगल बृहस्पति, शनि, यूरेनस, न्यूपचून। सौर मण्डल के आठ ग्रह एक निश्चित पथ पर सूर्य का चक्कर लगाते है। ये पथ कक्ष कहलाते है। बुध सूर्य के सबसे निकट ग्रह है शुक्र को पृथ्वी का जुड़वा ग्रह माना जाता है। क्योंकि इसका आकार एवं आकाति लगभग पृथ्वी के समान है। अन्तर्राष्ट्रीय खगोलीय संगठन ने अपनी रिपोर्ट में इनके बारे में बताया है।	छात्र ध्यान-पूर्वक लिख रहे हैं। छात्र कापी में लिख रहे हैं। छात्र लिख रहे हैं।	सौरमण्डल के आठ ग्रह है बुध, शुक्र, पृथ्वी मंगल बृहस्पति शनि यूरेनस नैप्च्यून।

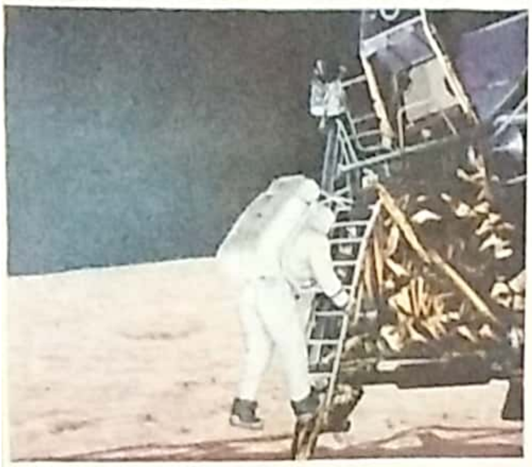

First steps of man on the surface of the Moon.
सबसे पहले आर्मस्ट्रांग ने और फिर एल्ड्रिन ने चन्द्र की धरती पर कदम रखे।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	श्यामपट्ट
पृथ्वी :-	पृथ्वी के सूर्य से दूरी के हिसाब से तीसरा ग्रह है। तथा आकार में यह पाँचवा है। यह ध्रुवों पर थोड़ी चपटी है। पृथ्वी पर न तो अधिक ठण्डी है और न ही अधिक गर्मी है। इस पर पानी तथा वायु है।	छात्र कॉपी में लिख रहे हैं।	पृथ्वी सूर्य से दूरी के हिसाब से तीसरा ग्रह है तथा आकार में यह पाँचवा है।
चन्द्रमा :-	**MOON** हमारे पृथ्वी के पास अनेक उपग्रह है। चन्द्रमा का व्यास पृथ्वी के व्यास का एक चौथाई है। हमे चन्द्रमा का केवल एक ही भाग दिखायी देता है।	छात्र सुन रहे है।	हमारी पृथ्वी के पास केवल एक उपग्रह है। चन्द्रमा
उल्का पिण्ड :-	पृथ्वी के चारो ओर चक्कर लगाने वाले पत्थरों के छोटे-2 टुकड़ो को उल्का पिण्ड कहते है।	छात्र कॉपी में लिख रहे हैं	

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पूर्वज्ञान परीक्षण।

छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्र०: सौर मण्डल किसे कहते है?	उ०: सूर्य तथा उसके चारो तरफ चक्कर को लगाने वाले ग्रहो को सौर मण्डल कहते
प्र०:- सूर्य के सबसे निकट ग्रह कौन सा है?	उ०:- बुध।
प्र०:- चन्द्रमा किसका उपग्रह है?	उ०:- चन्द्रमा पृथ्वी का उपग्रह है।
प्र०:- किस ग्रह को नीला ग्रह कहा जाता है?	उ०:- पृथ्वी को नीला ग्रह इसलिए कहते है क्योकि इसमे पानी है।

<u>गृहकार्य</u>!—

प्र०!— सौर मंडल मे कितने ग्रह होते है?

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

Lesson No :- 11

Date 30-1-12 | Duration of the period 30 Min

Pupil Teacher's Name Supriya | Pupil Teacher's Roll No. 1172

Class VIIth | Average Age of the pupils 13 Years

Subject सामाजिक अध्ययन | Topic भूकम्प

< अनुदेशनात्मक उद्देश्य >

ज्ञानात्मक उद्देश्य :-

① छात्रों में भूकम्प क्रिया के प्रति ज्ञान प्रदान करना।

② बच्चों को भूकम्प क्रिया पहचानने की योग्यता प्रदान करना।

बोधात्मक उद्देश्य :-

① भूकम्प के मूल भाव को स्पष्ट करना।

② बच्चों को भूकम्प के उदाहरण देकर समझाना।

प्रयोगात्मक उद्देश्य -

① छात्र भूकम्प के कारणों की व्याख्या करते है।

② विद्यार्थी भूकम्प के कारणों का निष्कर्ष निकालते है।

सामान्य शिक्षण सामग्री :-

चाक, डस्टर, संकेतक, चाक बोर्ड।

विशिष्ट शिक्षण सामग्री :-

भूकम्प के कारणों को दर्शाता हुआ चार्ट।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पूर्वज्ञान परीक्षण

छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्र० पृथ्वी का आकार कैसा है?	उ० अंडाकार।
प्र० पृथ्वी की बाहर की शक्ति को क्या कहते हैं?	उ० बाह्य शक्ति।
प्र० पृथ्वी के अन्दर की शक्ति को क्या कहते हैं?	उ० आन्तरिक शक्ति।
प्र० पृथ्वी के अन्दर की शक्ति जो पृथ्वी की पपड़ी को हिला देती है, क्या कहलाती है?	उ० अस्पष्ट उत्तर।

उपविषय की घोषणा:- बच्चों आज हम भूकम्प के विषय में अध्ययन करेंगे।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
भूकम्प :- 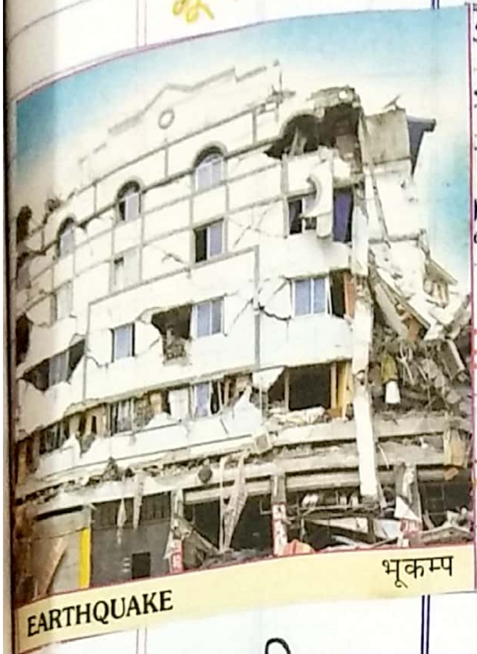	हमारी पृथ्वी का अचानक काँप जाना अर्थात पपड़ी का हिल जाना भूकम्प कहलाता है। प्राकृतिक कारण मानव कृत कारण	छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे हैं	① प्राकृतिक कारण, ② मानव कृत कारण, पृथ्वी का अचानक काँप जाना अर्थात पपड़ी का हिल जाना भूकम्प कहलाता है।
1- प्राकृतिक कारण →	पृथ्वी की पपड़ी के नीचे स्थित ऊर्जा ऊपर की तरफ धकेलती है। जिससे ऊपर की पपड़ी काँपने लगती है।	छात्र लिख रहे हैं	पृथ्वी की पपड़ी के नीचे स्थित ऊर्जा ऊपर की तरफ धकेलती है। जिससे ऊपर की पपड़ी काँपने लगती है
2 मानव कृत →	मानव द्वारा डाइनामाइट लगाकर खनिजों का खनन करना	छात्र लिख रहे हैं	

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण विन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
	मैदान या पहाड़ी	छात्र कापी में लिख रहे	
	थे		
	तथा अव्यवस्थित भाग से है। प्रशान्त महासागर के दोनों तटीय भागों में सबसे अधिक भूकम्प आते हैं।	छात्र लिख रहे हैं	प्रशान्त महासागरीय भूकम्प पेटी कहा जाता है।
भूकम्प आने का कारण —	भूकम्प आने के और भी अनेक कारण हैं।	छात्र लिख रहे हैं	

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
1-	ज्वालामुखी विस्फोट के कारण।	छात्र कॉपियों में लिख रहे हैं।	① ज्वालामुखी विस्फोट के कारण। ② पृथ्वी के आन्तरिक भाग चट्टानों के टूटने के कारण
2-	पृथ्वी के आन्तरिक भाग चट्टानों के टूटने के कारण।		
3-	अणु का विस्फोट के कारण।	छात्र लिख रहे हैं	
4-	डायनामाइट के कारण।		
भूकम्पीय तरंगें —	पृथ्वी की सतह से 300 किमी० से 700 किमी० की गहराई में भूकम्प उत्पन्न होते हैं। भूकम्प तरंगों के माध्यम से चलता है। ये तरंगें तीन प्रकार की होती हैं। प्राथमिक तरंगें। द्वितीय तरंगें। धरातलीय तरंगें।	छात्र लिख रहे हैं।	① प्राथमिक तरंगें ② द्वितीय तरंगें ③ धरातलीय तरंगें

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पुनरावृत्ति

छात्र अध्यापक क्रियाएं	छात्र क्रियाएं
प्र- भूकम्प किसे कहते हैं?	उ०- हमारी पृथ्वी का अचानक काँप जाना भूकम्प कहलाता है।
प्र०- भूकम्प के क्या कारण हैं?	उ० भूकम्प के आने के दो कारण हैं। ① प्राकृतिक कारण। ② मानव निर्मित कारण।
प्र० भूकम्प में सबसे विनाशकारी तरंगें कौन सी होती हैं?	उ० धरातलीय तरंगें।

गृह कार्य :-

प्र०:- भूकम्प आने का क्या कारण है?

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

Lesson No :...12..........

Date...1-2-12.............................. Duration of the period.....30 Min..........

Pupil Teacher's Name...Supriya........ Pupil Teacher's Roll No.....1172..........

Class...VIIth.............................. Average Age of the pupils....13 Years....

Subject...सामाजिक अध्ययन.............. Topic...राष्ट्रवादी आन्दोलन.........

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

ज्ञानात्मक उद्देश्य :

① छात्रों को राष्ट्रवादी आन्दोलन के विषय में ज्ञान प्राप्त कराना।

② छात्रों को राष्ट्रवादी आन्दोलन के बारे में जानने की योग्यता का ज्ञान कराना।

बोधात्मक उद्देश्य :-

① राष्ट्रवादी आन्दोलन के मूल भाव को स्पष्ट करना।

② छात्रों को राष्ट्रवादी आन्दोलन के प्रति जागृत करना।

प्रयोगात्मक उद्देश्य :-

① छात्र राष्ट्रवादी आन्दोलन का कारण बताने की योग्यता रखते है।

② छात्र राष्ट्रवादी आन्दोलन का निष्कर्ष निकालने की योग्यता रखते है।

सामान्य शिक्षण सामग्री -

चाक, डस्टर, संकेतक, चाकबोर्ड।

विशिष्ट शिक्षण सामग्री :- राष्ट्रवादी आन्दोलन को दर्शाता हुआ चार्ट।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पूर्वज्ञान परीक्षण

छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्र॰ हमारे देश का क्या नाम है?	उ॰ भारत वर्ष।
प्र॰- हमारे देश कब आजाद हुआ?	उ॰- 15 अगस्त 1947 को।
प्र॰ महात्मा गाँधी ने कौन-कौन से आन्दोलन किए?	उ॰ सत्याग्रह, चम्पारण, भारत छोड़ो आन्दोलन आदि।
प्र॰- सत्याग्रह आन्दोलन किस आन्दोलन में आता है?	उ॰- अस्पष्ट उत्तर।

उपविषय की घोषणा!—

बच्चों आज हम आपको असहयोग आन्दोलन के बारे में बताएंगे।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
राष्ट्रीयवादी आन्दोलन →	आधुनिक भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन बुनियादी तौर पर विदेशी आधिपत्य की चुनौती के जवाब के रूप में उदित हुआ जो निम्न है।	छात्र लिख रहे हैं	राष्ट्रीयवादी आन्दोलन- भारतीय जनता में राष्ट्रीय भावना विकसित करना
भारत की राजनैतिक एकता →	ब्रिटिश शासन की उपस्थिति में भारतीय जनता में राष्ट्रीय भावना विकसित करने में सहायता दी।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं	
	ब्रिटिश शासन तथा उसके प्रत्यक्ष और परोक्ष परिणामों ने ही आन्दोलन की परिस्थितियाँ तैयार की अंग्रेजी सरकार ने एक जैसी आधीनता एक जैसे समस्याएँ एक से कानूनों को भारत की एक सोच में ढालना शुरू किया।	छात्र लिख रहे हैं।	आधीनता एक ऐसी समस्याएँ है जिसने भारत को एक सोच में ढालना आरम्भ किया

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
	छोटे को आजादी भारत में उन्नीसवीं भारतीय भावना पनपी। इसने वैचारिक और भावात्मक एकता को बढ़ावा दिया।	छात्र कापी में लिख रहे हैं।	इसने वैचारिक और भावात्मक एकता को बढ़ावा दिया
तीव्र परिवहन -	वास्तव में प्रशासनिक सुविधाएँ सैनिक रक्षा के लिए तथा व्यापारिक शोषण किये। और इसको ध्यान रखते हुए परिवहन के तीव्र साधनों की योजना बनाई।	छात्र लिख रहे हैं। छात्र लिख रहे हैं	
	पक्की सड़कों का जाल बिछा दिया इससे प्रान्त एक दूसरे तथा गाँव बड़े-बड़े शहरों से जुड़ गये		

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
डाक व संचार →	1850 के उपरान्त आरम्भ हुई आधुनिक डाक सेवा तथा बिजली के तार ने देश को एक करने में सहायता प्रदान की। समाचार पत्रों तथा फसलों को कम दाम पर बेचने की व्यवस्था ने देश की सामाजिक, शैक्षिक, बौद्धिक तथा राजनीतिक जीवन में एक परिवर्तन ला दिया।	छात्र कॉपी में लिख रहे हैं। छात्र लिख रहे हैं।	1850 के उपरान्त आरम्भ हुई आधुनिक डाक सेवा तथा बिजली के तार ने देश को एक करने में सहायता
अंग्रेजी भाषा →	भारत के सभी भागों में अंग्रेजी भाषा का प्रचार प्रसार तथा लोकप्रियता के कारण शिक्षित भारतीयों को यह एक सम्पर्क भाषा के रूप में मिल गई।	छात्र लिख रहे हैं।	यह भाषा शिक्षित भारतीयों को एक सम्पर्क भाषा के रूप में मिल गयी थी।

UNITEDSECULARSOCIETY

Scanned by CamScanner

पुनरावृत्ति परीक्षण

छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्र. डाक तथा संचार व्यवस्था का आरम्भ कब हुआ?	उ.- 1850 के उपरान्त।
प्र. राष्ट्रवादी आन्दोलन में राष्ट्रीय भावना का उदय किन-किन कारणों से हुआ?	उ.- राजनीतिक कारण, आर्थिक कारण, सामाजिक कारण, शैक्षिक कारण।
प्र. भारत की राजनीतिक एकता का राष्ट्रवादी आन्दोलन में क्या महत्व है?	उ.- कई कानूनों को लागू करके।

गृह कार्य :-

प्र.:- राष्ट्रवादी आन्दोलन के बारे मे बताइए।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

Lesson No :.13.............

Date 2 - 2 - 12 Duration of the period 30 मिनट

Pupil Teacher's Name Sonia Pupil Teacher's Roll No 1172

Class VIth Average Age of the pupils 12 Years

Subject सामाजिक अध्ययन Topic भारत छोड़ो आन्दोलन

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

ज्ञानात्मक उद्देश्य :

(1) छात्रों को इतिहास के विषय में ज्ञान प्राप्त करवाना।

(2) छात्र भारत छोड़ो आन्दोलन का प्रत्यक्षीकरण कर सकेंगे।

बोधात्मक उद्देश्य -

(1) छात्रों को आन्दोलन के बारे में परिकल्पना कराना।

(2) छात्रों को आन्दोलन के महत्व का बोध कराना।

प्रयोगात्मक उद्देश्य :-

(1) आन्दोलन के विषय में छात्रों को अवगत कराना।

(2) छात्रों को व्याख्या के द्वारा विभिन्न शैलियों से समझाना है।

सामान्य शिक्षण सामाग्री -

चाक, झाडन, संकेतक, चाकबोर्ड।

विशिष्ट शिक्षण सामाग्री

आन्दोलन के विषय को दर्शाता हुआ चार्ट।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पूर्वज्ञान परीक्षण

छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्र॰ हम किस देश के नागरिक हैं?	उ॰ भारत के।
प्र॰ हमारा देश कब आजाद हुआ था?	उ॰ 15 अगस्त 1947 को।
प्र॰ भारत छोड़ो आन्दोलन किसने चलाया था?	उ॰ महात्मा गाँधी ने।
प्र॰ भारत छोड़ो आन्दोलन कब शुरू किया गया?	उ॰ असन्तोषजनक उत्तर

उपविषय की घोषणा:-

बच्चो आज हम आपको भारत छोड़ो आन्दोलन के विषय में पढ़ायेंगे।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
भारत छोड़ो आन्दोलन →	भारत छोड़ो आन्दोलन गाँधी जी के नेतृत्व में 9 अगस्त 1942 को चलाया गया।	छात्र ध्यान पूर्वक लिख रहे हैं	भारत छोड़ो आन्दोलन गाँधीजी के नेतृत्व में चलाया गया।
	जापान ने म्यांमार पर अधिकार कर लिया था इससे यह भय पैदा होने लगा कि जापान अंग्रेजों को हानि पहुचाने के लिए भारत पर आक्रमण करेगा	छात्र लिख रहे है।	
	उस समय कांग्रेस के अन्य नेताओं के साथ गाँधी जी के नेतृत्व में भारत छोड़ो आन्दोलन चलाया। यह प्रस्ताव इसलिए पास किया गया।		जापान ने म्यांमार पर आक्रमण कर अधिकार कर लिया था
	क्योंकि महात्मा गाँधी तथा कांग्रेस के मध्य अन्य नेताओं का यह विचार था कि यदि अंग्रेज भारत छोड़ जाय तो जापान भारत पर आक्रमण नहीं करेगा।	छात्र लिख रहे है।	

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
।	निश्चय गाँधी जी ने किया।	छात्र ध्यान पूर्वक लिख रहे हैं	
प्र०	भारत छोड़ो आन्दोलन कब शुरू किया गया था।	उ० भारत छोड़ो आन्दोलन 9 अगस्त 1942 ई० को शुरू किया गया था।	
	उन्होंने अंग्रेजों को भारत छोड़ने के लिए ललकारा। नारा दिया अंग्रेजों भारत छोड़ो का नारे से गूंज गया अंग्रेजों ने इस आन्दोलन को दबाने के लिए बड़ी कठोरता से काम लिया।	छात्र लिख रहे हैं।	भारत छोड़ो आन्दोलन 9 अगस्त 1974 ई० को शुरू किया गया।
	प्रस्ताव पास होते नेता बन्दी बना लिये गये।	छात्र लिख रहे हैं।	
	फरवरी 1943 ई० तक		

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
	यह आन्दोलन बड़ी सरलता से चलता रहा। कुछ समय बाद यह आन्दोलन रफ्तार पकड़ गया और धीरे-धीरे समाप्त हो गया।	छात्र सुन रहे हैं	
	भारत छोड़ो आन्दोलन के कारण ब्रिटिश सरकार यह भली भाँति जान गई कि जनता में असंतोष कितना व्यापक है वह समझ गई कि भारतीय जनता अंग्रेजी शासन से मुक्त होना चाहती है	छात्र कॉपी लिख रहे हैं।	तीन वर्षों में ही अंग्रेजों को भारत छोड़ना पड़ा।
	और इसे प्राप्त करके ही रहेगी। सरकार निःसन्देह आन्दोलन को कुचल न सकी परिणाम स्वरूप तीन वर्षों में ही अंग्रेजों को भारत छोड़ना पड़ा।	छात्र ध्यानपूर्वक लिख रहे हैं	

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पुनरावृत्ति परिक्षण

छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्र. भारत छोड़ो आन्दोलन का कारण बताओ ?	उ. भारत छोड़ो आन्दोलन का मुख्य कारण अंग्रेजों का अत्यधिक अत्याचार सरकार में भारतीयों की भागीदारी का न होना आदि।
प्र. भारत छोड़ो आन्दोलन कब शुरू किया गया था?	उ. भारत छोड़ो आन्दोलन 9 अगस्त, 1942 को आरम्भ हुआ।
प्र. भारत छोड़ो आन्दोलन का नेतृत्व किस नेता ने किया था ?	उ. गाँधी जी ने। महात्मा गाँधी जी ने।

गृहकार्य :- प्र.— भारत छोड़ो आन्दोलन कब तथा किसके नेतृत्व में हुआ ?

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

Lesson No : 14

Date 3-2-12 | Duration of the period 30 Min

Pupil Teacher's Name Supriya | Pupil Teacher's Roll No. 1172

Class VII th | Average Age of the pupils 12 वर्ष

Subject सामाजिक अध्ययन | Topic मौलिक अधिकार

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

ज्ञानात्मक उद्देश्य :-

(1) छात्र मौलिक अधिकारों का प्रत्यास्मरण कर सकेंगे।

(2) छात्र मौलिक अधिकारों की व्याख्या करने में सक्षम हो सकेंगे।

बोधात्मक उद्देश्य :-

(1) विद्यार्थी मौलिक अधिकारों को उदाहरण सहित समझ पायेंगे।

(2) छात्र मौलिक अधिकारों की पहचान करने में समझ हो जाएंगे।

प्रयोगात्मक उद्देश्य :-

(1) छात्र मौलिक अधिकारों का प्रयोग अपने दैनिक जीवन में कर सकेंगे।

(2) छात्र मौलिक अधिकारों का उल्लेख कर सकेंगे।

सामान्य शिक्षण सामग्री :- चाक, झाड़न, संकेतक, चार्कबार्ड,

विशिष्ट शिक्षण सामग्री :- मौलिक अधिकारों को दर्शाता हुआ चार्ट।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

(पूर्वज्ञान परीक्षण)

छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्र०:- भारत देश की प्रणाली कैसी है ?	उ०:- लोकतांत्रिक प्रणाली।
प्र०:- भारत कब आजाद हुआ ?	उ०:- 15 अगस्त 1947 को।
प्र०:- भारतीय संविधान का निर्माण किसने किया ?	उ०:- डा० भीमराव अम्बेडकर।
प्र०:- भारतीय संविधान में कितने मौलिक आधिकारो का उल्लेख किया गया है ?	उ०:- अस्पष्ट उत्तर।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	श्यामपट्ट
मौलिक अधिकार - कथन -	अच्छे जीवन तथा आत्म विश्वास के लिए अधिकार आवश्यक होता है। भारत एक लोकतांत्रिक देश होने के कारण भारत देश अपने नागरिक को कुछ ऐसे अधिकार दिये हैं। जिन्हे मौलिक अधिकार कहते हैं।	छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे हैं। छात्र कॉपी मे लिख रहे हैं	मौलिक अधिकार 1. समानता 2. स्वतन्त्रता 3. शोषण के विरुद्ध 4. धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार
	1- समानता का अधिकार 2- शोषण के विरुद्ध 3- रक्षा का अधिकार 4- धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार 5- संस्कृति और शिक्षा का अधिकार 6- संविधानिक उपचारों का अधिकार	छात्र लिख रहे हैं	
प्रश्न-	हमे संविधान द्वारा कितने मौलिक अधिकार प्राप्त हैं?	उ० ६: मौलिक	

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्याम पट्ट
संवैधानिक उपचारों का अधिकार →	यदि सरकार या कोई संस्था नागरिकों के अधिकार का हनन करता है। तो वह व्यक्ति उनके विरुद्ध न्यायालय में जा सकता है।	छात्र लिख रहे हैं। छात्र लिख रहे हैं।	

पुनरावृत्ति परीक्षण

प्र० हमे कितने मौलिक अधिकार प्राप्त है?	उ०- छः मौलिक अधिकार
प्र० समानता का अधिकार किस अनुच्छेद है?	उ०- अनुच्छेद 14 से 18।
प्र० ~~भारतीय~~ धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार क्या है?	उ० सभी धर्मों समुदायों को अपने-2 धर्मों के प्रति प्रचार-प्रसार आदि की स्वतंत्रता
प्र० शोषण के विरुद्ध अधिकार क्या है?	उ० 14 वर्ष से कम आयु वाले बच्चों पर काम पर लगाना तथा उन्हें शिक्षा से वंचित रखना।

गृहकार्य - मौलिक अधिकार किसे कहते हैं? समानता का अधिकार किस अनुच्छेद में आता है वर्णन करो?

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

Lesson No :..15..............

Date 4-2-12 | Duration of the period 30 मिनट

Pupil Teacher's Name Supriya | Pupil Teacher's Roll No. 1172

Class 7th | Average Age of the pupils 12 Years

Subject सामाजिक अध्ययन | Topic परिवहन के मार्ग

अनुदेशनात्मक उद्देश्य:-

ज्ञानात्मक उद्देश्य -

① विद्यार्थी परिवहन के मार्गों का प्रत्यास्मरण कर सकेंगे।

② छात्र परिवहन के मार्गों के बारे में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

बोधात्मक उद्देश्य:

① विद्यार्थी परिवहन के मार्गों की व्याख्या करने में सक्षम होंगे।

② विद्यार्थी परिवहन के मार्गों का उदाहरण सहित जानने में कुशल हो जायेंगे।

प्रयोगात्मक उद्देश्य -

① विद्यार्थी परिवहन के मार्गों का अपने दैनिक जीवन में प्रयोग करने में सफल रहेंगे।

② छात्र परिवहन के मार्गों का विस्तार पूर्वक उल्लेख करने में सक्षम हो जायेंगे।

सामान्य शिक्षण सामग्री:-

चाक, झाड़न, संकेतक, चाकबोर्ड।

विशिष्ट शिक्षण सामग्री:-

परिवहन के मार्गों को दर्शाता हुआ चार्ट।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पूर्वज्ञान परीक्षण

छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्र॰ बच्चों तुम लोग स्कूल कैसे जाते हैं?	उ॰- बस से।
प्र॰ बस किस रास्ते से जाती है?	उ॰- जमीनी रास्ते से।
प्र॰ जमीनी रास्ते को क्या कहते हैं?	उ॰- अस्पष्ट उत्तर।

उपविषय की घोषणा -

बच्चों आज हम परिवहन के मार्गों के विषय में विस्तार पूर्वक पढ़ेंगे।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
परिवहन –	परिवहन से अभिप्राय उन साधनों से है। जो व्यक्ति, वस्तुओं को एक स्थान से दूसरे स्थान तक लेकर जाते है। आज के युग में परिवहनों का बहुत महत्व है। इससे मनुष्य को काफी सुविधाएँ प्राप्त हो जाती है।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे है। छात्र कॉपी में लिख रहे है	परिवहन के प्रकार – 1. स्थल मार्ग 2. जल मार्ग 3. वायु मार्ग
परिवहनों के प्रकार –	परिवहन मुख्यतः तीन प्रकार के होते है ① स्थल मार्ग। ② जल मार्ग। ③ वायु मार्ग।		
1- स्थल मार्ग –	स्थल मार्ग वह होता है। जिसमें यातायात के साधन जमीन पर चलते है। जैसे – ① सड़क मार्ग ② रेल मार्ग	छात्र लिख रहे हैं।	

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
सड़क मार्ग →	वह यातायात के साधन जो सड़कों पर चलते है। जैसे बस, कार, जीप, स्कूटर, मोटर साइकिल ट्रक आदि सड़क मार्गों के द्वारा ही ज्यादा यातायात के साधन चलते है। और इसमें खर्च कम आता है। सड़क मार्ग का क्षेत्र ज्यादा है।	छात्र ध्यान पूर्वक लिख रहे है	बस, कार जीप, स्कूटर मोटरसाइकिल ट्रक, आदि।
रेल मार्ग →	रेल मार्ग पर एक ही साधन चलता है और वह है रेल गाड़ी यह सड़क मार्ग की अपेक्षा थोड़ा महंगा है और इस मार्ग के द्वारा अधिक से अधिक संख्या में यात्रा तथा माल ढुलाई करते है।	छात्रा ध्यान पूर्वक लिख रहे है छात्र लिख रहे है।	

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
जल परिवहन –	पृथ्वी का वह भाग जहाँ जल की अधिकता पायी जाती है। जैसे नदियाँ समुन्द्र, महासागर आदि इन सबमें भी परिवहन के साधनों का प्रयोग किया जाता है। जैसे जहास, नाव, आदि परिवहन के साधन है।	छात्र कॉपी में लिख रहे हैं। छात्र लिख रहे हैं।	जैसे :- वायुयान, हेलीकाप्टर हवाई जहाज।
वायु परिवहन –	वायु परिवहन वायु मण्डल मे होता है। यह आकास के रास्ते एक स्थान से दूसरे स्थान तक तीव्र गति से जाने के लिए प्रयोग करते है। यह परिवहन थोड़ा महगाँ होता है जैसे – वायुयान, हवाई जहाज हेलीकाप्टर, रॉकेट आदि।	छात्र कॉपी मे लिख रहे है	

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पुनरावृत्ति परीक्षण

छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्र. परिवहन के मार्ग कितने प्रकार के होते है ?	उ. तीन प्रकार के ① स्थल मार्ग । ② जल मार्ग । ③ वायु मार्ग ।
प्र. स्थल मार्ग किसे कहते हैं	उ. वह मार्ग जिस पर जमीनी यातायात के साधन चलते हैं
वायु मार्ग के मुख्य साधनों को बताइऐ ?	हवाई जहाज, वायुयान, हैलीकाप्टर आदि।

गृहकार्य- परिवहन के प्रकारो को लिखिए ।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

Lesson No :...16...........

Date 5-2-12 | Duration of the period 30 Min
Pupil Teacher's Name Supriya | Pupil Teacher's Roll No. 1172
Class VIIth | Average Age of the pupils 13 Years
Subject सामाजिक अध्ययन | Topic सरकार क्या है?

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

ज्ञानात्मक उद्देश्य:-

① छात्र "सरकार क्या है" का प्रत्यास्मरण कर सकेंगे।
② बच्चे सरकार के कार्यों के बारे में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

बोधात्मक उद्देश्य:-

① छात्र सरकार क्या है के विषय में बता सकेंगे।
② बच्चे 'सरकार' का अर्थ ग्रहण कर सकेंगे।

प्रयोगात्मक उद्देश्य:-

① छात्र सरकार के कार्यों को अपने दैनिक जीवन में प्रयोग करने में सफल हो सकेंगे।
② छात्र सरकार क्या है के विषय में विस्तार पूर्वक उल्लेख करने में सक्षम हो जायेंगे।

सामान्य शिक्षण सामग्री:- चाक, डस्टर, संकेतक, चाकबोर्ड।

विशिष्ट शिक्षण सामग्री:- सरकार को दर्शाता हुआ चार्ट।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पूर्वज्ञान परीक्षण

छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्र. बच्चों हम किस देश के नागरिक है?	उ. भारत के।
प्र. हमारे देश का सर्वोच्च पद कौन सा है?	उ. राष्ट्रपति पद।
प्र. हमारे देश किस प्रकार का देश है?	उ. लोकतान्त्रिक देश।
प्र. सरकार क्या है?	उ. अस्पष्ट उत्तर।

उपविषय की घोषणा:- बच्चों आज हम सरकार क्या है। विषय का विस्तार पूर्वक अध्ययन करेंगे।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
सरकार →	प्रत्येक देश में विभिन्न निर्णय लेने के लिए एवं काम करने के लिए सरकार की जरूरत होती है। सड़के व स्कूल कहाँ बनाये जाते हैं, किसी भी वस्तु की कमी होने पर उसकी पूर्ति कैसे करे	छात्र ध्यानपूर्वक लिख रहे है।	
	महंगाई को कैसे काबू करे, बिजली की आपूर्ति को कैसे बढ़ाया जाय। देश की सुरक्षा कैसे की जाए.	छात्र लिख रहे हैं	प्रत्येक देश में निर्णय लेने के लिए एवं काम करने के लिए सरकार की जरूरत होती है।
	बेरोजगारी को कैसे दूर किया जाए. भ्रष्टाचार को कैसे खत्म किया जाए। दूसरे देशों से किस प्रकार के सम्बन्ध स्थापित किये जाए आदि कार्य सरकार द्वारा किये जाते है।	छात्र कॉपी में लिख रहे है।	

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
	सरकार मुख्यतः दो प्रकार की होती है (1) लोकतान्त्रिक सरकार (2) राजतान्त्रिक सरकार	छात्र लिख रहे हैं	
लोकतान्त्रिक सरकार – PARLIAMENT HOUSE, NEW DELHI संसद भवन, नई दिल्ली	भारत एक लोकतान्त्रिक देश है। लोकतन्त्र का अर्थ है जनता द्वारा चुनी हुई सरकार जिसमे जनता को अपना नेता चुनने का अधिकार होता है	छात्र कॉपी में लिख रहे हैं।	लोकतन्त्र जनता का, जनता के द्वारा चुना हुआ शासन है।
अब्राहिम लिंकन →	लोकतन्त्र जनता का जनता के द्वारा चुना हुआ शासन है लोकतन्त्र में सभी शक्ति जनता के हाथों में निहित होती है। जनता जिसको चाहे अपना ने चुनकर प्रधान मन्त्री बना सकती है।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं	

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
राजतान्त्रिक सरकार	राजतान्त्रिक सरकार एक व्यक्ति की सरकार होती है। वह राजा या रानी किसी को भी आदेश दे सकते है। और जनता को उसका पालन और स्वीकार भी करना पड़ता है। यह एक प्रकार की तानाशाह सरकार होती है।	छात्र लिख रहे है छात्र कॉपी में लिख रहे हैं	राजतंत्रिक सरकार एक व्यक्ति की सरकार होती है।
कानून व उसका पालन	सरकार कानून बनाती है। हम उन कानूनों को मानने के लिए बाध्य है। जैसे गाड़ी चालक के पास लाइसेंस, विवादों के निपटारे हेतु न्यायलयों का निर्माण, सर्व शिक्षा आदि।	छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे है।	

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पुनरावृत्ति परीक्षण

छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्र. सरकार क्या होती है?	उ. किसी देश को चलाने के लिए एक सिस्टम की जरूरत होती है। जिससे जनता अपने द्वारा चुनती है। सरकार कहलाती है।
प्र. लोकतान्त्रिक सरकार कैसी होती है?	उ. जो सरकार जनता द्वारा जनता के लिए चुनी हुई सरकार होती है इसमें सारी शक्ति जनता के हाथों में निहित होती है।
प्र. राजतान्त्रिक सरकार किसे कहते है?	उ. राजतान्त्रिक सरकार किसी एक व्यक्ति की सरकार होती है उसके हाथ में ही सारी शक्ति होती है।

गृहकार्य — सरकार क्या होती है तथा लोकतांत्रिक सरकार किसे कहते है वर्णन करो?

UNITEDSECULARSOCIETY

Scanned by CamScanner

Lesson No : 17

Date 6-7-12

Duration of the period 30 Min.

Pupil Teacher's Name Supriya

Pupil Teacher's Roll No. 1172

Class VIIth

Average Age of the pupils 14 Years.

Subject सामाजिक अध्ययन

Topic पंचायती राज

(अनुदेशनात्मक)

ज्ञानात्मक उद्देश्य :- ① छात्र पंचायती राज का प्रत्यास्मरण कर सकेगें।

② छात्र पंचायती राज के बारे में ज्ञान प्राप्त कर सकेगें।

बोधात्मक उद्देश्य :- ① छात्र पंचायती राज की व्याख्या करेगे।

② छात्र पंचायती राज के विभिन्न उदाहरण देने में सक्षम होगें।

प्रयोगात्मक उद्देश्य :- ① छात्र पंचायती राज में रुची लेगें तथा उसे दैनिक जीवन में प्रयोग कर सकेगें।

② छात्र पंचायती राज की रक्षा का सुझाव दे सकेगें।

विशिष्ट शिक्षण सामग्री :- चाक, झाडन, संकेतक, चार्कबोर्ड।

विशिष्ट शिक्षण सामग्री :- पंचायती राज को दर्शाता हुआ चार्ट।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

{ पूर्वज्ञान परीक्षण }

छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्र. भारत में सर्वाधिक जनता कहाँ रहती है?	उ.- गाँवों में।
प्र. ग्राम सभा किसे कहते हैं?	उ. एक पंचायत के क्षेत्र में रहने वाले सभी वयस्कों की सभा को।
प्र. पंचायत का मुखिया कौन होता है?	उ. सरपन्च।
प्र. पंचायती राज किसे कहते हैं?	उ.- अस्पष्ट उत्तर।

उपविषय की घोषणा - बच्चों आज हम आपको पंचायती राज के विषय में विस्तार पूर्वक अध्ययन करायेंगे।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
भूमिका –	गाँवो में सबसे अधिक जनसंख्या निवास करती है। इसलिए गाँवो को चलाने के लिए एक प्रशासन की आवश्यकता होती है। उसे पंचायती राज कहते है। भारत में पंचायती राज सबसे पहले राजस्थान के नागौर जिले से शुरू हुआ और धीरे-धीरे पूरे देश में लागू हो गया। ग्रामीण क्षेत्रो में सर्वसम्मति से चुने गये प्रतिनिधि को निर्णय लेने का अधिकार होता है।	छात्र ध्यानपूर्वक लिख रहे है। छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे है छात्र लिख रहे है।	भारत मे पंचायती राज सबसे पहले राजस्थान के नागौर जिले से शुरू हुआ। प्रत्येक राज्य में हर गांव की ग्राम सभा की बैठक अलग होती है।
ग्राम सभा –	एक पंचायत के क्षेत्र में रहने वाले को सभा कहते है। उसमें सिर्फ एक गाँव भी हो सकता है।		

UNITED SCHOLAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
	और एक से अधिक भी जैसा इस उदाहरण में बताया गया है। प्रत्येक राज्य हर गाँव की ग्राम सभा की बैठक अलग होती है।	छात्र लिख रहे है।	ग्राम पंचायत का मुखिया सरपंच होता है।
	कोई व्यक्ति ग्राम सभा का सदस्य होता है जिसकी उम्र 18 वर्ष या उससे अधिक है।	छात्र कॉपी में लिख रहे है।	
ग्राम पंचायत	ग्राम पंचायत कई क्षेत्रों में बटी होती है। प्रत्येक वर्ष में से एक प्रतिनिधि चुना जाता है जिसे वार्ड पंच कहते है। ग्राम पंचायत का चुनाव ग्राम सभा करती है। पंचायत के लिए कुछ स्थान पिछड़ी जातियों जनजातियों	छात्र लिख रहे है।	

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
	और महिलाओं के लिए आरक्षित होती है। ग्राम पंचायत का चुनाव पाँच वर्ष के लिए होता है।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	ग्राम पंचायत का चुनाव पाँच वर्ष के लिए होता है।
ग्राम पंचायत के कार्य →	ग्राम पंचायत के निम्न कार्य है। 1. सभी बच्चों उचित शिक्षा मुहैया करना। 2. गाँवों की गलियों का पक्का 3. पीने के पानी का प्रबन्ध 4. गाँव में प्रकाश का प्रबन्ध	छात्र कापी में लिख रहे हैं	
	5. गाँव में छोटे-छोटे झगड़ों का निवारण। 6. स्वास्थ विभाग का प्रबन्ध करना 7. लोगों में जागरूकता जगाना। लोगों में भाई-चारे की भावना को बढ़ावा देना।	छात्र लिख रहे हैं।	ग्राम पंचायत का कार्य गाँव का विकास कराना है।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पुनरावृत्ति परीक्षण

छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्र० ग्राम सभा का सदस्य कौन बन सकता है?	उ० जिसकी उम्र 18 वर्ष या उससे अधिक हो।
प्र० ग्राम पंचायत का मुखिया क्या कहलाता है?	उ०- सरपंच
प्र०- ग्राम पंचायत के कार्य बताओ।	उ०- (1) गाँवों की गलियों को पक्का करवाना। (2) पीने का पानी का उचित प्रबन्ध (3) सभी बच्चों को उचित शिक्षा प्रदान करवाना। (4) लोगों को जागरूक करके उन्हें नई-नई सुविधाएँ प्रदान करना

गृहकार्य-

प्र०- पंचायती राज क्या होता है। इसके कार्यों को विस्तार पूर्वक वर्णन करो?

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

Lesson No :...18............

Date 7-2-12 | Duration of the period 30 मिनट

Pupil Teacher's Name Supriyee | Pupil Teacher's Roll No. 1172

Class VIth | Average Age of the pupils 12 वर्ष

Subject सामाजिक अध्ययन | Topic **खनिज**

अनुदेशनात्मक उद्देश्य:

ज्ञानात्मक उद्देश्य:-

(1) छात्रों को खनिज पदार्थों के विषय में ज्ञान प्राप्त कराना।

(2) छात्र खनिज पदार्थ का प्रत्यास्मरण कर सकेंगे।

बोधात्मक उद्देश्य -:

(1) छात्र खनिज पदार्थ को उदाहरण सहित समझ पायेंगे।

(2) छात्र खनिज पदार्थों की पहचान करने में सक्षम हो जायेंगे

प्रयोगात्मक उद्देश्य-:

(1) छात्र खनिज पदार्थों का प्रयोग अपने दैनिक जीवन में कर सकेंगे।

(2) छात्र खनिज पदार्थों का विस्तार पूर्वक उल्लेख कर सकेंगे।

सामान्य शिक्षण सामग्री-:

चाक, झाडन संकेतक चाकबोर्ड।

विशिष्ट शिक्षण सामग्री:-

खनिज पदार्थों को दर्शाता हुआ चार्ट।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पूर्वज्ञान परीक्षण

छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्र० लोहा, कोयला, सोना आदि पदार्थ हमें कहाँ से प्राप्त होते हैं?	उ०- लोहा, कोयला, सोना आदि पदार्थ हमें खानों से प्राप्त होते हैं।
प्र०- ये खानें हमें कहाँ से मिलती हैं?	उ०- खानें हमें भूमि के अन्दर से मिलती हैं।
प्र० खानें खोदकर भूमि के अन्दर से निकाले जाने वाले पदार्थ को क्या कहते हैं?	उ०- अस्पष्ट उत्तर

उपविषय की घोषणा:- बच्चों आज हम आपको खनिज पदार्थों के विषय में विस्तार पूर्वक अध्ययन करायेंगे।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
खनिज पदार्थ -	खान खोदकर भूमि से निकाले जाने वाले पदार्थ को खनिज पदार्थ कहते हैं। खनिज प्रमुख पदार्थ निम्न हैं। 1 लोहा 2 कोयला 3 खनिज तेल 4 मैंगनीज 5 टिन 6 सोना आदि।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं। छात्र कॉपी में लिख रहे हैं।	प्रसिद्ध खनीज- लोहा, कोयला मैंगनीज, सोना आदि।
लोहा -	यह लोहा हमें खानों से प्राप्त होता है। फ्रान्स, बेल्जियम तथा स्वीडन में लोहे का अधिक उत्पादन होता है। इसके अतिरिक्त स्पेन भारत, जापान, मलेशिया चीन में भी कई स्थानों पर लोहा प्राप्त किया जा सकता है। आजकल लोहे का उपयोग बहुत अधिक मात्रा में होने लगा है	छात्र लिख रहे हैं	फ्रांस, बेल्जियम तथा स्वीडन में सोने का सर्वाधिक उत्पादन होता है।

BAUXITE (Aluminium) अल्युमिनियम

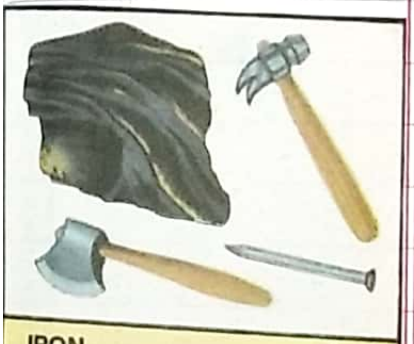
IRON लोहा

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	श्यामपट
कोयला - 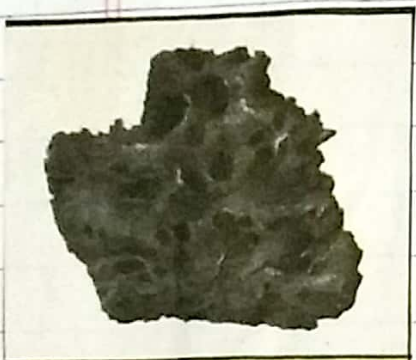 COAL कोयला	कोयला शक्ति का प्रमुख साधन है। यह इस्पात भट्टियों रेल के इन्जनों तथा अनेक छोटे बड़े कारखानों में इसका प्रयोग होता है। पश्चिमी तथा मध्य यूरोप में तथा सोवियत संघ और चीन में कोयले के बड़े-बड़े भण्डार है। भारत और जापान देशों में भी कोयला पाया जाता है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे हैं। छात्र लिख रहे हैं।	
प्र०	कोयला किसका प्रमुख साधन है?	उ० शक्ति का	
खनिज तेल -	खनिज तेल भी भूमि के अन्दर से निकाला जाता है। खनिज तेल के प्रमुख क्षेत्र है। एशिया के देशों सोवियत संघ चीन भारत, इण्डोनेशिया प्रमुख क्षेत्र है।		कोयला शक्ति का प्रमुख साधन है। सोवियत संघ व चीन मे कोयले के बड़े भण्डार हैं।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
	खनिज तेल का प्रयोग रेलगाड़ी में बसों में ट्रक, हवाई-जहाज, वायुयान मोटर साइकिल तथा ट्रैक्टर आदि में किया जाता है।	छात्र ध्यान पूर्वक कॉपी लिख रहे हैं	खनीज तेल का प्रयोग रेलगाड़ी, बसों, ट्रक, हवाई जहाज ट्रैक्टर, मोटरसायकिल मे होता है
	विश्व में खनिज तेल की खपत सर्वाधिक अमेरिका में किया जाता है।	छात्र लिख रहे हैं।	
	भारत में खनिज तेल का उत्पादन कम है इसलिए इसको अधिक मात्रा में इसका आयात किया जाता है। भारत में खनिज तेल के कुएँ राजस्थान गुजरात तमिलनाडु में स्थित है।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन कर कॉपी में लिख रहे हैं।	भारत में खनीज तेल के कुंए राजस्थान, गुजरात, तथा तामिलनाडु मे है।
सोना	सोना का उत्पादन भी खानों में से किया जाता है। सोने की बड़ी-बड़ी खाने होती हैं।	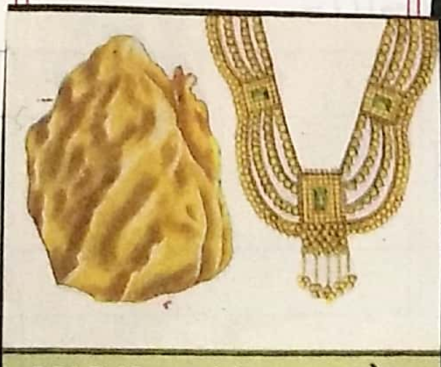 GOLD (Crystals) सोना	

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पुनरावृत्ति परीक्षण

छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्र. खनिज पदार्थ किसे कहते हैं?	उ. खान खोदकर भूमि से निकाले जाने वाले पदार्थ को खनिज पदार्थ कहते हैं।
प्र. कोयला किसका प्रमुख साधन है?	उ. - कोयला शक्ति का प्रमुख साधन है
प्र. लोहा किस काम आता है?	उ. मशीनों युद्ध के हथियार से लेकर कृषि यन्त्रों तक लोहे का प्रयोग किया जाता है।

गृह कार्य :-

प्र. खनिज पदार्थ किसे कहते हैं वर्णन करो ?

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

Lesson No : 19

Date: 8-2-12

Pupil Teacher's Name: Supriya

Class: VIIIth

Subject: सामाजिक अध्ययन

Duration of the period: 30 मिनट

Pupil Teacher's Roll No.: 1172

Average Age of the pupils: 14 वर्ष

Topic: कृषि

अनुदेशनात्मक उद्देश्य:

ज्ञानात्मक उद्देश्य -

① विद्यार्थी कृषि के महत्व का प्रत्यास्मरण कर सकेंगे।
② छात्र कृषि के प्रकारों की सूचि बनाने में सक्षम हो सकेंगे।

बोधात्मक उद्देश्य:-

① छात्र कृषि की व्याख्या करने में सक्षम हो सकेंगे।
② विद्यार्थी कृषि को उदाहरण सहित समझने में कुशल हो सकेंगे।

प्रयोगात्मक उद्देश्य:-

① छात्र कृषि का अपने दैनिक जीवन में प्रयोग करने में सफल हो सकेंगे।
② विद्यार्थी कृषि के इतिहास का उल्लेख करने में सफल हो सकेंगे।

सामान्य शिक्षण सामग्री:- चाक, झाड़न, संकेतक, चाक बोर्ड।

विशिष्ट शिक्षण सामग्री:- कृषि को दर्शाता हुआ चार्ट।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पूर्वज्ञान परीक्षण

छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्र. मनुष्य अपना पेट भरने के लिए क्या खाता है?	उ. भोजन या अनाज।
प्र. भोजन या अनाज हमें कहाँ से प्राप्त होता है?	उ. खेतों से या वृक्षों से।
प्र. खेतों से अनाज उत्पन्न करने को क्या कहते हैं?	उ. अस्पष्ट उत्तर।

उपविषय की घोषणा: बच्चों आज हम कृषि के विषय विस्तार पूर्वक पढ़ेंगे।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
कृषि —	कृषि एक प्राथमिक क्रिया है। फसलों फूलों सब्जियों फलों को उगाना और पशुपालन इसमें शामिल है। विश्व में 50% लोग कृषि से सम्बन्धित क्रियाओं में संलग्न है। भारत की दो तिहाई जनसंख्या कृषि पर निर्भर है।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे है। ध्यान पूर्वक सुन रहे है।	कृषि एक प्राथमिक क्रिया है। विश्व मे लगभग 50% लोग कृषि सम्बन्धि
कृषि तन्त्र :-	कृषि या खेती को एक तन्त्र के रूप में देखा जा सकता है। इसके महत्वपूर्ण निवेश बीज उर्वरक मशीनरी और श्रमिक है। जुताई बुवाई सिंचाई, निराई और कटाई इसकी कुछ संक्रिया है। कृषि दो प्रकार की जा सकती है। (1) निर्वाह कृषि। (2) वाणिज्यिक कृषि।	छात्र लिख रहे है।	कृषि दो प्रकार से की जा सकती है।
प्र०	भारत में कितनी जनसंख्या कृषि पर निर्भर है	उ० दो तिहाई	

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
निर्वाह कृषि -	इस प्रकार की कृषि कृषक परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए की जाती है। निर्वाह कृषि को पुनः गहन निर्वाह कृषि और आदिम निर्वाह कृषि में वर्गीकृत किया जा सकता है।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे है। छात्र कॉपी मे लिख रहे है।	
गहन निर्वाह कृषि —	किसान एक छोटे भूखण्ड पर साधारण औजारों और अधिक श्रम में खेती करता है। अधिक धूप वाले दिनों से युक्त एक वर्ष में एक से अधिक फसले उगाई जा सकती है।	छात्र लिख रहे है।	अधिक धूप वाले दिनो मे वर्ष मे एक से अधिक फसले उगाई
आदिम निर्वाह कृषि —	इस कृषि में स्थानांतरी कृषि और चलवासी पशुचारण शामिल है।		

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
	यह कृषि वृक्षों को काटकर और जलाकर भूखण्ड को साफ किया जाता है। मक्का, आलू जैसी फसलों को उगाया जाता है। चलवासी पशुचारण सहारा के अर्धशुष्क और शुष्क प्रदेशो में जैसे- जम्मू और कश्मीर में प्रचलित है इस प्रकार की कृषि में पशुचारक अपने पशुओं के साथ एक स्थान से दूसरे स्थान तक घूमते हैं	छात्र कॉपी में लिख रहे है। छात्र ध्यान पूर्वक सुन कर लिख ।	निर्वाह कृषि का उदाहरण जम्मू और कश्मीर की कृषि है।
	प्र. निर्वाह कृषि किसे कहते हैं	उ. कृष[illegible] परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कहते है।	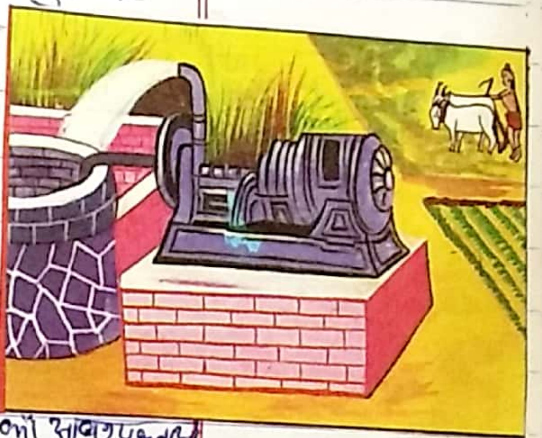
वाणिज्यिक कृषि -	वाणिज्यिक कृषि में फसल उत्पादन और पशु पालन बाजार में बिक्रय हेतु किया जाता है अधिकांश कार्य मशीनों के द्वारा किया जाता है मक्का, गेहूँ चाय, कहवा, रबड़ केला आदि।	छात्र लिख रहे हैं।	जैसे - गेहूँ, मक्का, चाय, कहवा रबड़, केला आदि।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पुनरावृत्ति

छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्र. कृषि क्या है?	उ० कृषि एक प्राथमिक क्रियाएँ है
प्र- स्थानांतरित कृषि किसे कहते हैं	उ० स्थानांतरित कृषि वृक्षों को काटकर, जलाकर भूखण्ड को साफ किया जाता है।
प्र. कृषि कितने प्रकार की होती है?	उ- कृषि मुख्यतः दो प्रकार की होती है। (1) - निर्वाह कृषि। (2) - वाणिज्यिक कृषि।

गृहकार्य :-

प्र० कृषि क्या है? यह कितने प्रकार की होती है वर्णन करो?

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

Lesson No : 20

Date 10-2-12

Pupil Teacher's Name Supriya

Class VIIIth

Subject सामाजिक अध्ययन

Duration of the period 30 मिनट

Pupil Teacher's Roll No. 1172

Average Age of the pupils 14 वर्ष

Topic इतिहास के भेद

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

ज्ञानात्मक उद्देश्य -

① विद्यार्थी भारतीय इतिहास की क्षेत्रों की जानकारी करनेमें सक्षम होंगे।

② छात्र भारतीयइतिहास के स्रोतों का प्रत्यास्मरण करने में निपुण होंगे।

बोधात्मक उद्देश्य :-

① विद्यार्थी भारतीय इतिहास के क्षेत्रों की व्याख्या करने कामयाब होंगे।

② छात्र इतिहास के भेदों को उदाहरण सहित समझने में कुशल हो सकेंगें।

प्रयोगात्मक उद्देश्य -

① विद्यार्थी भारतीय इतिहास के क्षेत्रों का उल्लेख करने में सफल होंगे।

② छात्र इतिहास के प्रमुख स्रोतो की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

सामान्य शिक्षण सामग्री :-

चाक, डाउन संकेतक चाकबोर्ड।

विशिष्ट शिक्षण सामग्री :-

इतिहास के भेद को दर्शाता हुआ चार्ट।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पूर्वज्ञान परीक्षण

छात्र अध्यापक क्रियाएं	छात्र क्रियाएँ
प्र- ताजमहल कैसी इमारत है?	उ०- ऐतिहासिक।
प्र० ऐतिहासिक चीजों के नाम बताओ?	उ०- कुतुब मीनार, लाल किला,
प्र० लाल किला किसने बनवाया था?	उ०- शाहजहाँ ने।
प्र० ऐतिहासिक चीजों के प्रकार बताओ?	उ०- अस्पष्ट उत्तर।

उपविषय की घोषणा- बच्चों आज हम इतिहास के स्रोतों के बारे में विस्तार पूर्वक पढ़ेंगे।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	श्यामपट्ट
ऐतिहासिक स्रोत –	जिन स्रोतो को प्रमाणों के आधार पर हम इतिहास लिखते है। वे इतिहास के स्रोत कहलाते है। इन बातो से ऐतिहासिक विगत काल की पूर्व स्वधान कहते है इतिहास जानने के स्रोत कई है। परन्तु मुख्य दो प्रकार के होते है। ① साहित्यक स्रोत। ② पुरातात्विक स्रोत।	छात्र ध्यानपूर्वक लिख रहे है। छात्र लिख रहे है	ऐतिहासिक स्रोत दो प्रकार के होते है – (i) साहित्यिक (ii) पुरातात्विक
प्र०	इतिहास स्रोतो से आप क्या समझते है।	उ० जिन स्रोतो व प्रमाण पत्रों के आधार पर हम इतिहास लिखते है।	कल्हण की राजतरंगिणी में कश्मीर के इतिहास का वर्णन है।
साहित्यक स्रोत –	साहित्यक स्रोत व स्रोत है जिसमे धार्मिक रचनात्मक टिप्पणियाँ प्रमुख है जोकि प्राचीन स्रोत	छात्र लिख रहे है	

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट कार्य
	पुराणो चिकित्सा भूगोल, खगोल शास्त्र व अन्य विज्ञान पर आधारित है। जिनमें कथा कोष प्रसिद्ध है। जैसे कल्हण की राजतरंगिणी प्रसिद्ध कवि कल्हण ने इसमें कश्मीर के इतिहास का वर्णन किया हुआ है।	ध्यान पूर्वक छात्र सुन रहे हैं। छात्र ध्यानपूर्वक कापी में लिख रहे हैं।	
	चन्द्रवरदाई का पृथ्वीराज रासो में उसने पृथ्वी राज चौहान के समकालीन इतिहास का वर्णन किया है।	छात्र लिख रहे हैं।	'पृथ्वीराज रासो' में पृथ्वीराज चौहान के इतिहास का वर्णन है।
	अलबरूनी की तहकीक ए हिन्द अबुल के आइने अकबरी उल्लेखनीय है। इसे इतिहास के स्रोतों की जानकारी मिलती है।		

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	श्यामपट्ट
	प्र० किन्ही दो ऐतिहासिक प्रसिद्ध ग्रन्थों के नाम बताओ	उ० - पृथ्वीराजरासो राजत रंगणी।	दो ऐतिहासिक ग्रन्थ — (1) पृथ्वीराज रासो (2) राजतरंगिणि
पुरातात्विक स्रोत →	यह स्रोत हमें मध्य कालीन शहरों गाँवों की खुदाई खोज व अनुसंधान तत्कालीन समाज और संस्कृति के बारे में जानकारी देते है।	छात्र ध्यानपूर्वक लिख रहे हैं।	
	चित्रकला स्मारक शिल्पकला सिक्के तथा अभिलेख इस युग महत्वपूर्ण स्रोत है	छात्र लिख रहे हैं।	
	हड़प्पा संस्कृति की खुदाई से प्राप्त मोहरें मनके मूर्ति अनाज के अन्नागार तथा स्नानागार आदि वस्तुएँ हमें पुरातात्विक खुदायों से प्राप्त हुई है। जो हमें पश्चात इतिहास के स्रोत बन गया।	छात्र ध्यानपूर्वक लिख रहे हैं।	हड़प्पा संस्कृति की खुदाई से प्राप्त मोहरें, मनके, मूर्ति अनाज, अन्नागार तथा स्नानागार हैं।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पुनरावृत्ति परीक्षण

छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्र० इतिहास के स्रोतो से क्या अभिप्राय है?	उ० जिन सूत्रो व प्रमाणपत्रो के आधार पर हम इतिहास लिखते है। वे इतिहास के स्रोत कहलाते है।
प्र० इतिहास जानने के स्रोत कौन-कौन से है?	उ० इतिहास जानने के दो स्रोत है:- (1) साहित्यक स्रोत। (2) पुरातात्विक स्रोत।
प्र० पुरातात्विक स्रोत कौन-कौन से है?	उ० पुरातात्विक स्रोत प्राचीन शहरों गाँवो सरायो की खुदाई से प्राप्त स्रोत है।

गृहकार्य

प्र० इतिहास जानने के प्रमुख स्रोतो का विस्तार पूर्वक वर्णन करो?

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

FINAL DISCUSSION LESSON

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

Lesson No : 1

Date 11-2-12

Pupil Teacher's Name Supriya

Class VII th

Subject सामाजिक अध्ययन

Duration of the period 30-35 Min.

Pupil Teacher's Roll No. 1172

Average Age of the pupils 13 Years

Topic राष्ट्रीय प्रतीक

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

ज्ञानात्मक उद्देश्य :-

(1) छात्र राष्ट्रीय प्रतीको का प्रत्यास्मरण कर सकेंगे।
(2) विद्यार्थी राष्ट्रीय प्रतीको व चिह्नों के बारे में व्याख्या कर सकेंगे।

बोधात्मक उद्देश्य :-

(1) विद्यार्थियों को राष्ट्रीय प्रतीक एवं चिह्नो के विषय मे बोध कर सकेंगे।
(2) छात्र राष्ट्रीय चिह्नो और प्रतीकों का वर्गीकरण कर सकेंगे।

प्रयोगात्मक उद्देश्य :-

(1) विद्यार्थी राष्ट्रीय प्रतीको एवं चिह्नो का उल्लेख कुशलता से कर सकेंगे।
(2) छात्र राष्ट्रीय प्रतीकों एवं चिह्नो को अपने दैनिक जीवन में प्रयोग कर सकेंगे।

सहायक शिक्षण सामग्री

सामान्य शिक्षण सामग्री :-

चॉक, झाड़न, चॉकबोर्ड, आदि।

विशिष्ट शिक्षण सामग्री :-

राष्ट्रीय प्रतीकों को दर्शाता हुआ

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

मॉडल चार्ट।

पूर्वज्ञान परीक्षण

छात्र-अध्यापक क्रियाएं	छात्र-क्रियाएं
प्र०!- हम किस देश के नागरिक हैं ?	उ०!- भारत के।
प्र०!- हमारे राष्ट्रीय ध्वज का क्या नाम है ?	उ०!- तिरंगा।
प्र०!- राष्ट्रीय ध्वज में कितनी पट्टियां हैं?	उ०!- तीन।
प्र०!- हमारे देश का राष्ट्रीय पुष्प कौन सा है?	उ०!- अस्पष्ट उत्तर।

उपविषय की घोषणा— बच्चो आज हम आपको हमारे राष्ट्रीय चिह्न और प्रतीको के विषय में अध्ययन करायेंगे।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र-अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट कार्य
राष्ट्रीय प्रतीक :-	हम सभी भारत के नागरिक हैं। हम सब मे अपने देश के लिए अपार प्रेम है। हमारे राष्ट्रीय प्रतीक व चिह्न राष्ट्रीय गरिमा व गौरव की पहचान कराते हैं। हमारा, राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रीय चिह्न राष्ट्रीय प्रतीक हमारी स्वतन्त्रता के प्रतीक हैं। इनका सम्मान करना हमारा परम कर्तव्य है।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं। छात्र ध्यानपूर्वक सुनकर लिख रहे हैं।	राष्ट्रीय चिह्न अशोक स्तम्भ से लिया गया है।
	प्र०!- हमारे राष्ट्रीय चिह्न कौन-2 से है?	उ०!- (1) राष्ट्रीय ध्वज। (2) राष्ट्रीय चिह्न (3) राष्ट्रीय पुष्प (4) राष्ट्रीय पशु (5) राष्ट्रीय पक्षी।	राष्ट्रीय चिह्न मे चार सिंह अंकित हैं।
राष्ट्रीय ध्वज :-	भारतीय संविधान मे स्वतन्त्रता प्राप्ति से पूर्व 22 जुलाई		

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

... को राष्ट्रीय	छात्र ध्यान
...पनाया गया।	पूर्वक लिख
... आकार	रहे हैं।
...र है। इसमें	
... की पट्टियां	
...रिया,	
...,	
...।	
केसरिया रंग	
त्याग और बलिदान	छात्र लिख
का प्रतीक है।	रहे हैं।
सफेद रंग शान्ति	
तथा हरा रंग	
समृद्धि एवं विकास	
का प्रतीक है।	

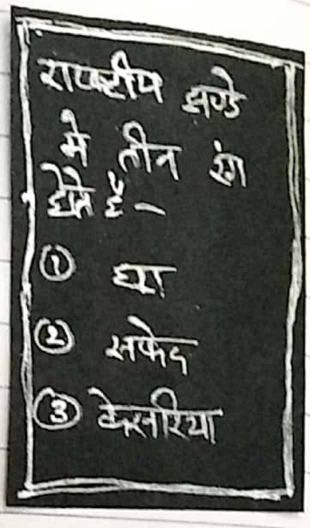

राष्ट्रीय चिह्न :-

हमारा राष्ट्रीय	
चिह्न सम्राट	छात्र कॉपी
अशोक द्वारा	में लिख
बनाई गई स्तम्भ	रहे हैं।
से लिया गया है।	
जिसपर चार सिंह	
अंकित है। यह दो	
भागों में बंटा है।	

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

	उपरी भाग मे चार शेर तथा नीचे के भाग मे (सत्यमेव जयते) लिखा हुआ है। जिसका अर्थ है सत्य की जीत्व होती है।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	राष्ट्रीय पशु बाघ है जो शक्ति तथा शान का प्रतीक है।
राष्ट्रीय पशु !—	हमारे देश का राष्ट्रीय पशु बाघ है। बाघ शक्ति तथा शान का प्रतीक है।		
	प्र०!— हमारा राष्ट्रीय पशु क्या है?	उ०!— बाघ।	
राष्ट्रीय पुष्प।	कमल का फूल हमारा राष्ट्रीय फूल है। यह भारत वासियों के लिए सच्चाई का प्रतीक है। यह बुराइयों को नीचे तथा अच्छाइयों को उपर उठाने की प्रेरणा देता है।	छात्र ध्यानपूर्वक लिख रहे हैं।	राष्ट्रीय पुष्प कमल सच्चाई का प्रतीक है।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट कार्य
राष्ट्रीय गीत :-	वन्दे मातरम् हमारे देश का राष्ट्रीय गीत है। इसे सभी महत्वपूर्ण अवसरों पर गाया जाता है। इसकी रचना बंकिम चन्द्र चटर्जी ने की थी। इसे एक साथ मे [illegible] स्वर मे गाया जाता है। राष्ट्रीय गीत अपनी मातृभूमि के प्रति कर्तव्य और प्रेम को प्रदर्शित करता है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनकर कॉपी मे लिख रहे हैं। छात्र लिख रहे हैं।	हमारा राष्ट्रीय गान 'जनगण मन अधिनायक जय है' है। जनगण मन के रचयिता 'रविन्द्रनाथ' टैगोर हैं।
राष्ट्रीय गान :-	हमारे राष्ट्रीय गान के रचयिता		

राष्ट्रीय गीत

वन्दे मातरम् !
सुजलाम् सुफलाम् मलयज-शीतलाम्
शस्यश्यामलाम् मातरम् !
शुभ्रज्योत्स्ना, पुलकितयामिनीम्
फुल्लकुसुमित द्रुमदल शोभिनीम्
सुहासिनीम् सुमधुर भाषिणीम्
सुखदाम् वरदाम् मातरम् !

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्राविड़-उत्कल-बंग
विंध्य हिमाचल यमुना गंगा
उच्छल जलधि तरंग
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे
गाहे तव जय-गाथा
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता
जय हे, जय हे, जय
जय जय जय जय

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्र-अध्यापक क्रियाएं	छात्र-क्रियाएँ	श्यामपट्ट कार्य
	श्री रविन्द्रनाथ टैगोर हैं। यह राष्ट्रीय गान भारतीय संविधान द्वारा 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू होने के समय अपनाया गया था। इसे गाने मे 52 सेकेंड का समय लगता है। यह भारतवर्ष की गौरवगाथा का वर्णन है।	छात्र लिख रहे हैं।	राष्ट्रिय गान के रचयिता रविन्द्रनाथ टैगोर हैं।
राष्ट्रीय पक्षी:-	हमारे देश का राष्ट्रिय पक्षी मोर है।		राष्ट्रिय पक्षी मोर है।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

छात्र-अध्यापक क्रियाएँ	छात्र-क्रियाएँ
प्र०:- हमारे राष्ट्रिय ध्वज का क्या नाम है?	उ०:- तिरंगा।
प्र०:- हमारा राष्ट्रीय गीत क्या है?	उ०:- वन्दे मातरम्।
प्र०:- हमारा राष्ट्रीय पुष्प कौन सा है?	उ०:- कमल।
प्र०:- हमारे राष्ट्रीय गीत के रचयिता कौन है?	उ०:- बंकिमचन्द्र चटर्जी।

गृहकार्य:-

प्र०:- भारत के प्रतीकों के बारे मे अपनी कॉपी मे लिखिए।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

OBSERVATION LESSONS

Scanned by CamScanner

Observation Lesson No. 1

Date...

Pupil Teacher's Name........ Supriya .... Duration of the period........ 35 Min.

Class........ VIIth .... Pupil Teacher's Roll No........ 1172

Subject........ English .... Average Age of the pupils........ 13 Years

Topic........ Noun

1. P. K. Testing was good.
2. Chalkboard writing was good.
3. Confildence was good.
4. Class control was very good.
5. Voice was loud and clear.
6. Over all teaching was very effective.

Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

Observation Lesson No. 2

Date...

Pupil Teacher's Name........ Supriya .... Duration of the period........ 35 Min.

Class........ VIIIth .... Pupil Teacher's Roll No........ 1172

Subject........ Hindi .... Average Age of the pupils........ 14 Years

Topic........ कारक

1. P. K. Testing was good.
2. Chalkboard waiting was good.
3. Confidence was good.
4. Class control was very good.
5. Voice was very loud and clear.
6. Over all teaching was very effective.

Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

Observation Lesson No. 3

Date..........

Duration of the period 35 Min.

Pupil Teacher's Name Supriya

Pupil Teacher's Roll No. 1172

Class VIIth

Average Age of the pupils 13 Years

Subject S.S.T.

Topic Polution

1. Chalkboard writing was good.
2. P. K. testing was good.
3. Confedence was good.
4. Class control was very good.
5. Voice was loud and clear.
6. Over all teaching was very good.

Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

Observation Lesson No. 4

Date..........

Duration of the period 6-8 Min

Pupil Teacher's Name Supriya

Pupil Teacher's Roll No. 1172

Class IVth

Average Age of the pupils..........

Subject Hindi

Topic कारक

1. P. K. Testing was good.
2. Chalk board writing was good.
3. Confidence was good.
4. Class control was very good.
5. Voice was loud and clear.
6. Over all teaching was very good.

Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

Observation Lesson No. 5

Date..

Duration of the period 6-8 Min.

Pupil Teacher's Name Supriya

Pupil Teacher's Roll No. 1172

Class VIIth

Average Age of the pupils 12 Years

Subject S.S.T.

Topic National Symbols

1. Confidence level was good.
2. P.K. Testing was good.
3. Chalk board writing was good.
4. Class control was very good.
5. Voice was loud and clear.
6. Over all teaching was very effective.

Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

Observation Lesson No. 6

Date..

Duration of the period 6-8 Min

Pupil Teacher's Name Supriya

Pupil Teacher's Roll No. 1172

Class VIIth

Average Age of the pupils 14 Years

Subject Hindi

Topic सावित्री

1. P.K. Testing was good.
2. Chalk-board writing was good.
3. Class control was very good.
4. Voice was loud and clear.
5. Confidence was good.
6. Over all teaching was very good.

Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

Observation Lesson No. 7

Date..................................... Duration of the period 30 Min.

Pupil Teacher's Name Supriya Pupil Teacher's Roll No. 1172

Class VII th Average Age of the pupils 14 Years

Subject English Topic Pronoun

1. P.K. Testing was good.
2. Chalk-board writing was good.
3. Voice was loud and clear.
4. Confedence was good.
5. Teaching was very effective
6. Class control was very good.

Sign. of Pupil Teacher Sign. of Supervisor

UNITED SECULAR SOCIETY

Observation Lesson No. 8

Date..................................... Duration of the period 8-10 Min.

Pupil Teacher's Name Supriya Pupil Teacher's Roll No. 1172

Class V th Average Age of the pupils 10 Years

Subject Hindi Topic संज्ञा

1. P.K. Testing was good.
2. Class control was very good.
3. Chalk-board writing was good.
4. Confedenc was good.
5. Voice was loud and clear.
6. Over all teaching was very effective.

Sign. of Pupil Teacher Sign. of Supervisor

Scanned by CamScanner

Observation Lesson No. 9

Date.. Duration of the period....6-8 Min.....

Pupil Teacher's Name....Supriya.... Pupil Teacher's Roll No.....1172.....

Class....VIth.................... Average Age of the pupils.....13 Years.....

Subject....S.S.T..................... Topic....सार्वजनिक सम्पत्ति.....

1. P.K. Testing was good.
2. Chalk-board writing was good.
3. Class control was very good.
4. Confedence was good.
5. Voice was loud and clear.
6. Over all teaching was very effective.

Sign. of Pupil Teacher Sign. of Supervisor

Observation Lesson No. 10

Date.. Duration of the period....35 Min.....

Pupil Teacher's Name....Supriya.... Pupil Teacher's Roll No.....1172.....

Class....VIIth.................... Average Age of the pupils.....14 Years.....

Subject....English..................... Topic....Adverb.....

1. Chalk-board writing was good.
2. P.K. Testing was good.
3. Voice was loud and clear
4. Class control was very good.
5. Confedence was good.
6. Over all teaching was very effective.

Sign. of Pupil Teacher Sign. of Supervisor

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner